दैनिक पंचांग

सूर्योदयः 05:33 ए एम
सूर्यास्तः 07:02 पी एम
तिथिः षष्ठी - 11:27 ए एम तक
नक्षत्रः उत्तराषाढा - 02:37 पी एम तक
योगः शुभ - 03:17 पी एम तक
करणः वणिज - 11:27 ए एम तक
द्वितीय करणः विष्टि - 10:16 पी एम तक
पक्षः कृष्ण पक्ष
वारः मंगलवार

Digital Edition

हिन्दी दैनिक

झारखण्ड देखो

खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

www.jharkhanddekho.com • वर्ष 03 • अंक 136 • पृष्ठ 8 • दुमका, मंगलवार 16 मई 2023 • मूल्य 2 रुपये Email - Jharkhanddekho@gmail.com | epaper - Jharkhanddekho.com

संक्षिप्त समाचार

तमिलनाडु में जहरीली शराब से 10 लोगों की मौत,कई अस्पताल में भर्ती तमिलनाडु

तमिलनाडु/ऐंजेंसी। ।मिलनाडु के विल्लुपुरम और चेंगलपट्टू जिलों में कथित तौर पर जहरीली शराब पीने से तीन महिलाओं सहित 10 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि विल्लुपुरम जिले के मरक्कनम के पास एकियारकुप्पम के रहने वाले छह लोगों की रविवार को मौत हो गई। आगे अधिकारियों ने कहा कि चेंगलपट्टू जिले के मदुरंथगम में शुक्रवार को दो लोगों की मौत हो गई और रविवार को एक दंपति की मौत हो गई, इन चारों की मौत जहरीली शराब के सेवन से हुई है। वर्तमान में, दो दर्जन से अधिक लोगों का इलाज चल रहा है और जानकारी के मुताबिक वे ठीक हैं।

घटना के बाद,पुलिस महानिरीक्षक (उत्तर) एन कन्नन ने उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है और कहा कि सभी 10 पीड़ितों ने संभवतः इथेनॉल–मेथनॉल पदार्थों के साथ जहरीली शराब का सेवन किया था। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु के उत्तरी क्षेत्र में जहरीली शराब से मौत की दो अलग–अलग घटनाएं सामने आई हैं और अभी तक पुलिस को दोनों घटनाओं के बीच संबंध का कोई सबूत नहीं मिला है,लेकिन पुलिस किसी भी संभावित लिंक का पता लगाने के लिए कई एंगल से जांच कर रही है।

बिजनेस

बीएसई सेंसेक्स
61,054.29–694.96 (1.13%)

निफ्टी
18,069.00–186.80 (1.02%)

पीएम मोदी जून में करेंगे लोकसभा चुनाव का शंखनाद, यूपी में होंगी तीन रैलियां

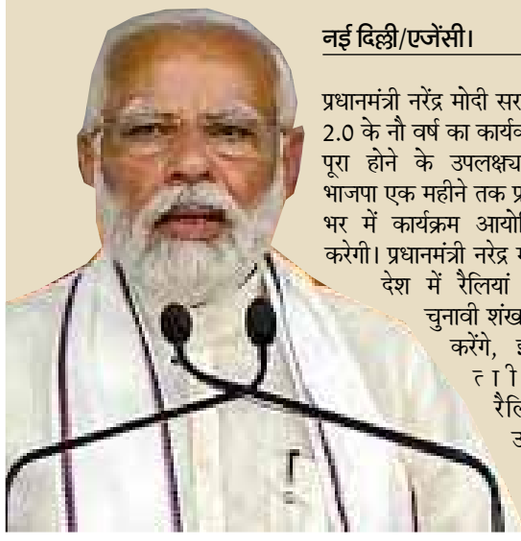

नई दिल्ली/एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार 2.0 के नौ वर्ष का कार्यकाल पूरा होने के उपलक्ष्य में भाजपा एक महीने तक प्रदेश भर में कार्यक्रम आयोजित करेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश में रैलियां कर चुनावी शंखनाद करेंगे, इनमें तीन रैलियां उत्तर प्रदेश में करने की योजना है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी और महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने रविवार शाम पार्टी के प्रदेश पदाधिकारियों की वर्चुअल बैठक में इसकी जानकारी दी। नगर निकाय चुनाव में जीत का परचम फहराने के साथ ही भाजपा लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुट गई है। मोदी सरकार के नौ वर्ष का कार्यकाल 30 मई को पूरा हो रहा है। मोदी सरकार के नौ वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में भाजपा प्रदेश में महा सपंर्क अभियान चलाएगी। 15 मई से 15 जून तक मोदी सरकार की उपलब्धियों को लेकर जनता के बीच जाएंगे। भाजपा के नेता प्रदेश से लेकर जिला स्तर पर प्रबुद्ध वर्ग के लोगों से संपर्क कर मोदी सरकार में हुए बदलाव को बताएंगे। लोकसभा स्तर पर पांच और विधानसभा स्तर पर चार अलग-अलग कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रमों के लिए प्रदेश महामंत्री गोविंद नारायण शुक्ला और संजय राय की अगुवाई में कमेटी गठित की गई है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि 25 मई तक में क्षेत्र व जिला कार्यसमिति की बैठकों का आयोजन किया जाएगा। कार्यसमिति में सभी विधायक और सांसद भी शामिल किए जाएंगे। बैठक में बताया गया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जून में देश भर में करीब 20 रैलियां करेंगे। यूपी में अवध,काशी,पश्चिम,कानपुर,ब्रज और गोरखपुर क्षेत्र में मोदी की एक एक रैली कराने की योजना है।

छह रैली का समय नहीं मिलने पर दो-दो क्षेत्रों की एक संयुक्त रैली कराकर तीन रैली कराई जाएंगी। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह,रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह,सड़क परिवहन मंत्री नितिन गड़करी,भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की भी रैलियां होंगी। 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाएगा। 23 जून को जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि को शहीद दिवस के रूप मनाया जाएगा। इस अभियान का समापन 25 जून पीएम मोदी के मन की बात कार्यक्रम से होगा।

अन्य राज्यों में कर्नाटक मॉडल लागू करने की जरूरत, BJP को हराने के लिए पवार ने बताया फॉर्मूला

नई दिल्ली । राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार ने रविवार को कहा कि कर्नाटक मॉडल को अन्य राज्यों में भी लागू करने की जरूरत है और इसके लिए समान विचारधारा वाली पार्टियों को साझा न्यूनतम कार्यक्रम पर काम करना होगा। बताते चलें कि शरद पवार मुंबई में अपने आवास पर भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के नेता डी. राजा से मुलाकात के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं ने भाजपा का विकल्प उपलब्ध कराने पर विचार-विमर्श किया। उन्होंने कहा कि कर्नाटक विधानसभा चुनाव ने एक संदेश दिया है कि हमें दूसरे राज्यों में भी कर्नाटक जैसी स्थिति पैदा करने की जरूरत है। कर्नाटक में कांग्रेस ने अकेले भाजपा का विकल्प दिया,लेकिन अन्य राज्यों में समान विचारधारा वाले दलों को एक न्यूनतम साझा कार्यक्रम पर काम करना होगा।

कर्नाटक के नए सीएम का एलान जल्द,आज दिल्ली आ सकते हैं सिद्धारमैया और शिवकुमार

बेंगलुरु/एजेंसी।

कर्नाटक विधानसभा चुनाव में जीत के बाद कांग्रेस मुख्यमंत्री चुनने की कवायद में जुट गई है। पार्टी नेताओं का कहना है कि 2-3 दिनों में नए सीएम की घोषणा कर दी जाएगी। रविवार को बेंगलुरु में हुई कांग्रेस विधायक दल की बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पास किया गया है कि विधायक दल के नेता का चयन राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे करेंगे,जो राज्य का अगला मुख्यमंत्री होगा। यानी अब खरगे कर्नाटक के अगले मुख्यमंत्री का फैसला करेंगे। इसके साथ ही मुख्यमंत्री पद के लिए खेमेबंदी अब दिल्ली में केंद्रित हो गई है। मुख्यमंत्री पद के दोनों दावेदारों सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार के आज दिल्ली आने की संभावना जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि वे खरगे के साथ ही सोनिया गांधी और राहुल गांधी से मिलने आ रहे हैं।

कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) की बैठक में सिद्धारमैया,डीके शिवकुमार,रणदीप सुरजेवाला,केसी वेणुगोपाल,जयराम रमेश और अन्य वरिष्ठ नताओं ने भाग लिया। कांग्रेस विधायक दल की बैठक के बाद कर्नाटक कांग्रेस के प्रभारी रणदीप सुरजेवाला ने बेंगलुरु में मीडिया से बात करते हुए कहा कि केंद्रीय पर्यवेक्षक एक-एक विधायकों की राय लेंगे और इसे पार्टी आलाकमान तक पहुंचाएंगे।

Dipendra Singh
9335448671

R.K. Choudhary
8384831556

marbles & tiles

मार्बल & ग्रेनाइट

राजस्थान वाले

रेलवे स्टेशन के सामने, रिंग रोड, दुमका (झारखंड)

उपायुक्त की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक हुई संपन्न

यातायात नियमों के उल्लंघन पर होगी सख्त कार्रवाई

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। उपायुक्त की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न हुई 'बैठक में उपायुक्त ने जिले में हुए सड़क दुर्घटनाओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने को लेकर चर्चा की गई। जिला परिवहन पदाधिकारी को निर्देशित किया गया कि नियमित वाहनों की जांच करें एवं नियम का पालन नहीं करने वालों पर कार्रवाई सुनिश्चित करें।इस दौरान उपायुक्त ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को सड़क सुरक्षा के तहत बनाए गए नियमों का पालन करना अनिवार्य है। बैठक में उपायुक्त ने हिट एंड रन मामलों की समीक्षा कर आवश्यक व उचित दिशा निर्देश दिया।उपायुक्त ने सभी चिन्हित ब्लैक स्पॉट में दुर्घटना रोकने के लिए अविलम्ब आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने परिवहन पदाधिकारी, तथा विभिन्न थाना प्रभारियों को नियमित रूप से वाहन जांच अभियान चलाकर नियमानुसार जुर्माना करने का निर्देश दिया। इस दौरान उन्होंने जांच में हेलमेट ना पहनने, गाड़ी के कागजात समेत शराब पीकर गाड़ी चलाने की भी जांच करने तथा कारवाई करने का निर्देश दिया गया।उपायुक्त द्वारा कार्यपालक पदाधिकारी पथ प्रमंडल दुमका को निर्देश दिया कि दुमका हंसडीहा रोड के किनारे लगे स्ट्रीट लाइट को श्रावणी मेला से पहले ठीक किया जाए।उपायुक्त द्वारा पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय को निर्देश दिया गया कि हिट एंड रन के सभी मामले को अभिलंब निष्पादन किया जाए जिससे आश्रित को मुआवजा राशि दिया जा सके।डीपीआर माइनिंग एन्ड इनफरा लिमिटेड को निर्देश दिया गया कि गाड़ी का नंबर के साथ ड्राइवर का डिटेल्स 2 दिनों के भीतर जिला परिवहन पदाधिकारी दुमका को उपलब्ध कराएंगे।पुलिस अधीक्षक दुमका द्वारा निर्देशित किया गया की दुमका से पाकुड़ रोड में दुर्घटना अधिक होती है वहां स्लाइडर एवं रंबल स्ट्रिप लगाने का निर्देश दिया।निर्देश दिया गया की जितने भी स्कूल बस है। बिना परमिट वाहन परिचालन नहीं किया जाए अगर बिना परमिट का परिचालन करते पकड़े जाने पर करवाई करने का निर्देश दिया।रिंग रोड फूलोझानो चौक से महारो ब्रिज तक चौड़ीकरण किया जा रहा है बिजली का पोल हटाने पर ही चौड़ीकरण का कार्य पुणे प्रारंभ किया जाए।बैठक में संबंधित पदाधिकारी एवं जिला सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य मनोज कुमार घोष, रमन कुमार वर्मा, प्रदीपतो मुखर्जी, मुस्ताक अली, नीलकंठ झा, अमरेंद्र सुमन,सुरेश शाह एवं जिला सड़क सुरक्षा कार्यालय के कर्मी दीपक कुमार ,मनोज, कुमार अमित कुमार उपस्थित थे।

झारखंड विधानसभा की अनागत प्रश्न क्रियान्वयन समिति की बैठक आयोजित

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। परिसदन दुमका में झारखंड विधानसभा की अनागत प्रश्न क्रियान्वयन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विधानसभा पटल पर विभिन्न झारखंड विधानसभा के माननीय सदस्यों की ओर से उठाए गए प्रश्नों, जिनका निष्पादन नहीं हो सका, वैसे प्रश्नों के निष्पादन हेतु समीक्षा की गई। समिति के सदस्य विधायक दिनेश विलियम मरांडी ने जिले के सभी विभागों के अधिकारियों के साथ परिसदन सभागार में बैठक की। उन्होंने जिले के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों के विधायकों की ओर से उठाए गए सवालों पर वर्तमान प्रगति की जानकारी लेने के लिए अधिकृत किया गया। इसी क्रम में विधायक ने कृषि विभाग, स्वास्थ्य विभाग, बिजली विभाग, पेयजल स्वच्छता विभाग, जल संसाधन विभाग, शिक्षा विभाग, जिला खाद्य आपूर्ति विभाग और सामाजिक सुरक्षा विभाग सहित अन्य विभागों से संबंधित विभिन्न विधायकों की ओर से उठाए गए सवालों की वर्तमान स्थिति पर विस्तार से चर्चा की। कई विभागों के सवालों पर समिति ने संतुष्टि जताई और यथाशीघ्र विभिन्न मामलों का निष्पादन करने का निर्देश दिया।

बैठक में संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

श्रद्धालुओं के बीच निशुल्क गंगाजल का वितरण

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। निरंतर हर सोमवार की तरह सोमवार को हर हर महादेव सेवा समिति के संरक्षक सह अध्यक्ष प्रमोद कुमार राउत के नेतृत्व में समिति के उपाध्यक्ष राकेश महतो, कोषाध्यक्ष मुकेश कुमार वर्मा, ने धर्मस्थान मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के बीच निशुल्क गंगाजल का वितरण किया।

एमएलए एवं एसपी ने किया इ-बीट पेट्रोलिंग का शुभारंभ

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। विधायक बसंत सोरेन एवं पुलिस अधीक्षक दुमका अंबर लकड़ा ने इ-बीट पेट्रोलिंग का किया शुभारंभ।क्यूआर कोड बेस्ट इ-बीट पेट्रोलिंग द्वारा थाने के पेट्रोलिंग टीम की गतिविधि पर रखी जाएगी नजर।

जिले के सभी थाना क्षेत्र में ईबिट पेट्रोलिंग का क्यूआर कोड लगाया जाना है उक्त योजना का शुभारंभ बस स्टैंड दुमका से किया गया।प्रत्येक पेट्रोलिंग ट्रिप में पेट्रोलिंग पदाधिकारी को चिन्हित लोकेशन के क्यूआर कोड को स्कैन कर अपनी उपस्थिति दर्ज करानी होगी।इ-बीट एप्लीकेशन के द्वारा पता चल जाएगा की पेट्रोलिंग पार्टी किस स्थान में कितने बार गस्ती करती है।

श्री श्री 108 पांच दिवसीय 24 प्रहर अखंड हरिनाम संकीर्तन सम्पन्न

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। गोपीकांदर के दुर्गा मंदिर परिसर में आयोजित श्री श्री 108 पांच दिवसीय 24 प्रहर अखंड हरिनाम संकीर्तन आज सोमवार को संपन्न हो गया। बता दें कि यह अखंड हरिनाम संकीर्तन कुल पांच दिनों तक चला। हरिनाम संकीर्तन का शुभारंभ साहेबगंज जिला अन्तर्गत राजमहल की बंग्ला कीर्तनिया नीलम देवी के द्वारा रास पाठ के साथ किया गया था और समापन के दिन भी नीलम देवी ने कृष्ण रासलीला पाठ कर हरिनाम संकीर्तन का समापन किया। हरिनाम संकीर्तन में नाम दल इंद्रजीत पंडित कुसमा के द्वारा किया गया,तो पश्चिम बंगाल के बीरभूम ज़िले के चाइना दास के द्वारा बंगला और गोड्डा के राममोहन तिवारी ने हिन्दी संकीर्तन का पाठ किया गया। हरिनाम संकीर्तन का श्रवण करने इस भीषण गर्मी में भी ग्रामीण और भक्तों की भीड़ देखी गयी।आज अंतिम दिन ढुलोट एवं महाप्रसाद के रूप खीर और खिचड़ी वितरण के साथ हरिनाम संकीर्तन सम्पन्न हुआ। 24 प्रहर हरिनाम संकीर्तन के आयोजन में नकुल साह,विशु चांद, मंगल चांद,निजु मंडल,सीओं मंडल, अमित सिंह,मनोज चांद,पंकज मंडल,दीपक मिर्धा आदि के अलावे ग्रामीण एवं भक्तों की अहम भूमिका रहीं।

एस पी कॉलेज के स्नातक सेमेस्टर 2 के प्रायोगिक परीक्षा की तिथि घोषित

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। संताल परगना महाविद्यालय के स्नातक सेमेस्टर 2 की प्रायोगिक परीक्षा 22 मई से 3 जून तक चलेगी। 22 मई से फिजिक्स कोर जबकि फिजिक्स (जी ई) 27 से 28 मई तक चलेगी। रसायन विज्ञान के कोर की प्रायोगिक परीक्षा 23 मई को जबकि इसके ऋ (जी ई) की परीक्षा 1 से 2 जून तक चलेगी। वनस्पति विज्ञान के कोर की परीक्षा 24 मई को तथा (जी ई) की परीक्षा 1 से 3 जून तक होगी। जन्तु विज्ञान के कोर की परीक्षा 23 से 26 जून तक होगी वहीं इसके (जी ई) की परीक्षा 27 जून को होगी। मनोविज्ञान के कोर की परीक्षा 23 मई को जबकि इसके (जी ई) की परीक्षा 3 जून को ली जाएगी। उक्त जानकारी परीक्षा विभाग के सहायक राजकुमार ठाकुर ने दी। केंद्राधीक्षक सह संताल परगना महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ खिरोधर प्रसाद यादव ने बताया कि उक्त प्रायोगिक परीक्षा में एस पी कॉलेज के विद्यार्थियों के साथ साथ शिकारीपाड़ा कॉलेज, एस पी महिला कॉलेज, एवं महारो स्थित संत जेवियर्स कॉलेज के विद्यार्थी भी सम्मिलित होंगें।

सीएचसी में नवपदस्थापित डॉ स्वर्ण प्रिया का किया स्वागत

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमकाः आदिवासी मूलवासी विकास मोर्चा के केन्द्रीय अध्यक्ष हाबिल मुर्मू के नेतृत्व में संगठन के पदाधिकारीगण और सदस्यगणों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शिकारीपाड़ा में नवपदस्थापित चिकित्सक डॉ स्वर्ण प्रिया लकड़ा का आदिवासी पारंपरिक वेश भूषा पंची और गुलदस्ता देकर उनका स्वागत किया गया। मौके पर संगठन की ओर से उनके पदस्थापना को लेकर खुशी जताई गई और शिकारीपाड़ा की आम जनता को उत्तम स्वास्थ्य सेवा देने को लेकर उन्हें ढेर सारी शुभकामनाएं दी गई। इस दरम्यान संगठन के तमाम पदाधिकारीगण व सदस्यों के साथ नवपदस्थापित चिकित्सक से आपसी परिचयात्मक वार्तालाप हुई और प्रक्षेत्र में आमजनों के स्वास्थ्य सेवा कार्य पर आपसी सहयोग कायम करने को लेकर विचार विमर्श किया गया। इसअवसर पर केन्द्रीय अल्पसंख्यक अध्यक्ष मंजर अंसारी,ऋषि भगत, जाहिद अंसारी,अताउल अंसारी, वकील मुर्मू,शमीम अंसारी सोम मुर्मू, बूदी मुर्मू,रूबीनाथ हांसदा,मंजर अंसारी,जाहिद अंसारी,सुरेश बास्की सहित संगठन के तमाम सक्रिय पदाधिकारीगण व सदस्यगण उपस्थित थे।

सीओ की उपस्थिति में ग्राम प्रधानों की बैठक आयोजित

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। शिकारीपाड़ा अंचल कार्यालय में ग्राम प्रधानों की एक बैठक आयोजित की गई। जिसमें मुख्य रुप से शिकारीपाड़ा अंचलाधिकारी राजू कमल शामिल थे। बैठक में अंचलाधिकारी राजू कमल ने ग्राम प्रधानों को आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए नशा खोरी, शिक्षा आदि के प्रति जागरूक किया। इस दौरान अंचलाधिकारी ने सभी ग्राम प्रधानों को अपने-अपने ग्रामो को नशा मुक्त ग्राम बनाने पर जोर देने को कहा।कहा कि ग्राम में विशेषकर शिक्षा पर जोर देना है और सभी बच्चों को विद्यालय भेजना है।ग्राम में ग्राम सभा कर विकास से संबंधित योजनाओं के बारे में चर्चा कर जो भी विकास से संबंधित समस्याएं है उसको दूर करना है। कहा कि जहां जहां पर रोड का चौड़ीकरण हो रहा है उसके लिए उस गांव के ग्रामीण को वंशावली बनाकर जमा करना है और जहां पर ग्राम प्रधान के सहयोगी नहीं है वहां पर सहयोगी नियुक्त करना है आदि विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई। बैठक में अंचल कर्मी के साथ काफी संख्या में ग्राम प्रधान मौजूद थे।

दुर्घटनाओं में मदद पहुंचाने वाले व्यक्ति को प्रोत्साहन राशि के साथ-साथ दी गई प्रशस्ति पत्र

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। उप परिवहन आयुक्त सह सचिव क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकार संथाल परगना दुमका के कार्यालय में 3 नेक व्यक्ति को प्रशस्ति पत्र दी गई।जिसमें अजीत मंडल पता- कुमिरदाहा रामेश्वर दुमका, पार्थ घोष पता- डोडा रानीश्वर दुमका, युधिष्ठिर मंडल पता- रामगढ़ दुमका शामिल है ।उप परिवहन आयुक्त सह सचिव क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकार संथाल परगना दुमका. जिला परिवहन पदाधिकारी दुमका, एवं अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा नेक व्यक्तियों को प्रशस्ति पत्र दी गई एवं सड़क दुर्घटनाओं में लोगों को मदद पहुंचाने हेतु लोगों के बीच इस संबंध में जागरूक करने के लिए आगर भी की गई है ताकि सड़क दुर्घटना में अधिक से अधिक लोगों की जान बचाई जा सके.

सवा दो करोड़ की 210 कैमरों की निगरानी में उपराजधानी

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका । झारखण्ड की उपराजधानी दुमका पर अब तीसरी आंख की नजर रहेगी। शहर में दिन-दहाड़े और रात के अंधेरे में भी आपराधिक घटनाओं या वारदातों को अंजाम देना अब आसान नहीं होगा क्योंकि अब हर अपराधी और असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर तीसरी आंख नजर रखेगी। दुमका शहर में बढ़ती आपराधिक घटनाओं पर नकेल कसने के लिए पुलिस अब सीसीटीवी कैमरों से चप्पे चप्पे पर नजर रखेगी। सोमवार को शहर के प्रमुख चौक चौराहों और स्थानों में नगर विकास विभाग द्वारा 15 वें वित्त आयोग के तहत स्थापित 210 सीसीटीवी कैमरे के प्रोजेक्ट का उदघाटन स्थानीय विधायक बसंत सोरेन ने किया। झामुमो विधायक बसंत सोरेन ने कहा कि शहर में हाल के दिनों में आपराधिक घटनाएं बढ़ती जा रही थी। बढ़ती आपराधिक घटनाओं से आमलोगों के साथ पुलिस प्रशासन भी परेशान था। ऐसे में अपराधियों के मंसूबो पर नकेल कसने के लिए शहर में जगह जगह पर सीसीटीवी की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। उन्होंने कहा कि लोगों की सुरक्षा के लिहाज से पूरे शहर में 252 सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने है जिसमे 210 सीसीटीवी कैमरों ने काम करना शुरू कर दिया और इसका संचालन अधिकारियों एवं तकनीकी एक्सपर्ट की देखरेख में पुलिस कंट्रोल रूम से होगा। उन्होंने कहा कि शहर में सीसीटीवी कैमरे स्थापित होने से लोगों को अब किसी तरह से डरने की जरूरत नहीं है। इन कैमरों के बेहतर संचालन के लिए विभाग और पुलिस महकमा को महत्वपूर्ण निर्देश दिया गया है। वही पुलिस अधीक्षक अम्बर लकड़ा ने कहा कि पुलिस कंट्रोल रूम में आठ बड़े बड़े स्क्रीन लगाए गए है। सभी कैमरे उच्च क्वालिटी और तकनीक के है। शहर की हर गतिविधियों पर इन कैमरों से नजर रखा जाएगा। इन कैमरों के स्थापित होने से अपराध नियंत्रण और जांच के साथ साक्ष्य जुटाने में मदद मिलेगी। पुलिस के समर्पित पदाधिकारी और तकनीकी एक्सपर्ट की निगरानी में कंट्रोल रूम से इन कैमरों के संचालन किया जाएगा। कहा कि आनेवाले दिनों में शहर के अन्य संवेदनशील जगहों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। नगर पर्षद के कार्यपालक पदाधिकारी गंगाराम ठाकुर ने कहा कि कैमरे के बेहतरीन रखरखाव के लिए संबंधित एजेंसी को निर्देश दिया गया है। करीब दो करोड़ 24 लाख रुपये की लागत से इन उच्च गुणवत्ता एवं तकनीक के सीसीटीवी कैमरे लगाए गए है। मौके पर एसडीओ कौशल कुमार, डीएसपी मुख्यालय विजय कुमार, एसडीपीओ नूर मुस्तफा सहित अन्य उपस्थित थे।

TO-LET
(3600 sq ft)
GROUND FLOOR
7 room late bath attach
SECOND FLOOR
4 room and 1 hall late bath attach
Address-lakhikundi (bridge left side),Dumka
Contact number-7004213289

लापरवाह पदाधिकारियों एवं कर्मियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा: डीसी

डीसी ने समाहरणालय स्थित विभिन्न कार्यालयों का किया औचक निरीक्षण, 71 कर्मी/पदाधिकारी अनुपस्थित पाए गए, एक दिन का वेतन/मानदेय कटौती करने का दिया निर्देश

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ । सोमवार को उपायुक्त वरुण रंजन ने जिला समाहरणालय स्थित विभिन्न कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त वरुण रंजन ने जिला नजारत, एनआईसी, विधि शाखा, स्थापना शाखा, आपूर्ति कार्यालय, भू अर्जन कार्यालय, राजस्व शाखा, पंचायती राज कार्यालय, जिला कल्याण शाखा, जिला बाल संरक्षण इकाई, जिला समाज कल्याण कार्यालय, जिला ग्रामीण विकास अभिकरण, जिला योजना कार्यालय, जिला शिक्षा अधीक्षक कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, सामाजिक सुरक्षा कोषांग, जिला खेल कार्यालय, श्रम कार्यालय, जन शिकायत कोषांग, निर्वाचन

शाखा, तेजस्विनी कार्यालय सहित अन्य कार्यालयों का निरीक्षण कर उपस्थिति पंजी, अवकाश पंजी सहित अन्य पंजियों की जांच की। उपायुक्त ने जिन पदाधिकारियों एवं कर्मियों को अपने-अपने कार्यालयों में अनुपस्थित पाया उनका एक दिन का वेतन स्थगित करने का निर्देश दिया। कुल 71 कर्मी/पदाधिकारी अनुपस्थित पाए गए जिनका एक दिन का वेतन/मानदेय कटौती करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि कार्य के प्रति अधिकारी एवं कर्मी जबावदेह बने। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कार्य में लापरवाह पदाधिकारियों एवं कर्मियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। सभी कर्मी 10 बजे पूर्वाहन में कार्यालय में अपना उपस्थिति सुनिश्चित करें, जिस कार्यालय के कर्मी हैं उसी कार्यालय में उपस्थिति दर्ज करेंगे। किसी भी परिस्थिति में प्रखंड के कर्मी जिला में उपस्थिति दर्ज नहीं करेंगे। वहीं उपायुक्त ने सभी अधिकारियों एवं कर्मियों को प्रतिदिन समय से कार्यालय में उपस्थित रहकर अपने दायित्वों का निर्वहन करने का निर्देश दिया। मौके पर उप विकास आयुक्त मो० शाहिद अख्तर, अपर समाहर्ता मंजू रानी स्वांसी, अनुमंडल पदाधिकारी हरिवंश पंडित, जिला आपूर्ति पदाधिकारी संजय कुमार दास, जिला स्थापना उप समाहर्ता विकास कुमार त्रिवेदी, कार्यपालक दंडाधिकारी आशुतोष समेत अन्य उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

राजा राम मोहन राय की 250वीं जयंती पर रैली निकाली गई

पाकुड़ । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) । राजा राम मोहन राय की 250 वीं जयंती के उपलक्ष्य में जिले के विभिन्न विद्यालय के छात्राओं द्वारा महिला सशक्तिकरण थीम पर जागरूकता रैली निकाली गई। ये रैली सिदो-कान्हू पार्क से डायट भवन पाकुड़ में समाप्त हुई। इस कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों के छात्राओं ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। पुनः डायट भवन में रैली में भाग लेने वाले प्रतिभागियों के बीच चित्रांकन एवं निबंध प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। चित्रांकन एवं निबंध प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान लाने वाले प्रतिभागी को सम्मानित किया गया। मौके पर जिला शिक्षा पदाधिकारी श्रीमती रजनी देवी, एडीपीओ जयेंद्र मिश्रा, समग्र शिक्षा के पदाधिकारी, विभिन्न विद्यालय के शिक्षक एवं जनसंपर्क कार्यालय से दीपाली साह समेत अन्य उपस्थित थे।

भाजपा के द्वारा जनसंपर्क अभियान चलाया गया

पाकुड़िया(पाकुड़) । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) । भाजपा नेता सह प्रखंड़ प्रमुख कालीदास मरांडी ने सोमवार को प्रखंड के बन्नोग्राम एवं बीचपहाड़ी पंचायत का दौरा कर जनसंपर्क अभियान चलाया। इसी क्रम में प्रमुख श्री मरांडी ने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बन्नोग्राम पंचायत के बांगाबाड़ी एवं बीचपहाड़ी पंचायत के झरिया गाँव पहुंचकर ग्रामीणो के साथ बैठक की उनकी समस्याओं को सुना । बैठक में ग्रामीणों ने सुखाड़ का मुद्दा उठाया ,जिस पर प्रमुख ने सुखाड़ से राहत पाने की सरल उपाय के बारे मे ग्रामीणो को जनकारी दिया एवं हर सम्भव मदद करने का भरोसा भी दिया। बैठक में ग्रामीणो ने प्रखण्ड में व्यप्त भ्रष्टाचार जाति,निवासी, आय, जन्म प्रमाण पत्र और मृत्यु प्रमाण पत्र निर्गत करने मे हल्का कर्मचारी और पंचायत सचिव द्वारा गरीब लचार ग्रामीणो तथा विद्यार्थियो से मोटी रकम वसुलने का शिकायत किया तथा भ्रष्ट कर्मचारियों पर कारवाई करने की मांग किया।दोनो गावों की बैठक मे ग्रामीणों को बढ़चढ़ कर भाग लेते देखा गया । बैठक में प्रमुख कालीदास ने ग्रामीणों को को विश्वास दिलाया और कहा कि जनसंपर्क अभियान के माध्यम से सभी 18 पंचायत के प्रत्येक गांवों मे जाकर जनता को जागृत करके भ्रष्टाचार के विरूद्ध लड़ाई लड़ने जनांदोलन खड़ी की जाएगी ।जन संपर्क अभियान में भाजपा जिला उपाध्यक्ष तपन मंडल,मंडल उपाध्यक्ष अभिमन्यु भंडा-री , आमीन मुर्मू,महेश्वर मुर्मू, बीचपहाड़ी पंचायत समिति सदस्य न्युटन मुर्मू,उप मुखिया श्रीनाथ मुर्मू, पूर्व मुखिया ढेना मराण्डी,प्रमोद भगत,श्रीतन हेम्बरम, सुतिलाल राय आदि साथ थे।

केसीसी को लेकर डीडीसी की अध्यक्षता में समीक्षात्मक बैठक

पाकुड़ । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। उप विकास आयुक्त मो शाहिद अख्तर की अध्यक्षता में किसान क्रेडिट कार्ड को लेकर समीक्षा बैठक हुई। उप विकास आयुक्त ने जिला कृषि पदाधिकारी एवं सभी बैंकों के शाखा प्रबंधकों को आपसी समन्वय स्थापित कर एक समान चेकलिस्ट बनाने का निर्देश दिया गया। चेकलिस्ट बनाने के बाद सभी कृषि कर्मी जितने भी जरूरी कागजात केसीसी में लगते है, उसे लेने का निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि अगर अगर किसान के पास मोबाइल नंबर ना हो तो परिवार के अन्य सदस्य से भी प्राप्त कर मोबाइल नंबर लेने का निर्देश दिया। आधार, मोबाइल नंबर, वोटर कार्ड लेना आवश्यक है ताकि किसानों का सिविल चेक किया जा सके। उपायुक्त ने ज्यादा से ज्यादा किसानों को केसीसी से आच्छादित करने का निर्देश दिया। मौके पर जिला कृषि पदाधिकारी अरुण कुमार, एलडीएम मनोज कुमार, सभी बैंकों के शाखा प्रबंधक, एटीएम एवं बीटीएम समेत अन्य उपस्थित थे।

बागवानी सखी करायेंगे बिरसा हरित ग्राम योजना का देखभाल

पाकुड़। (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) । बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत ग्रामीण विकास विभाग के निर्देश पर मनरेगा और झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी हिरणपुर के संयुक्त तत्वाधान में प्रखंड सभागार में सोमवार को मनरेगा अंतर्गत बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत बागवानी सखियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन प्र-खंड विकास पदाधिकारी उमेश कुमार स्वांसी की अध्यक्षता में सम्पन्न किया गया। प्रशिक्षण में मुख्यतः बिरसा हरित ग्राम योजना से संबंधित विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। पौधारोपण हेतु गड्ढा खुदाई का आकार, गड्ढा भराई, ट्रेंच कटिंग, फेंसिंग, एच. टेका, पौधा रोपाई, पौधों का बेहतर प्रबंधन की विस्तृत जानकारी दी गई। पौधों का देखरेख में बागवानी सखी की भूमिका, नियोजन प्रक्रिया में बागवानी सखी और बागवानी मित्र का कार्य इत्यादि पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। कार्यों का बेहतर ढंग से संपादित करने हेतु आवश्यक निर्देश बीडीओ के द्वारा दिया गया। मौके पर प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक उज्जवल रविदास, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी ट्विंकल चौधरी, बीपीओ जेएस एलपीएस अमित कुमार, एफटीसी शंकर तिवारी सहित दर्जनों बागवानी सखी और मित्र उपस्थित थे।

पानी की समस्या को लेकर सैकड़ों महिलाओं ने दुमका साहेबगंज पाकुड़ मुख्य मार्ग को किया जाम

अमड़ापाड़ा(पाकुड़) । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) । प्रखंड के फतेहपुर गांव के विभिन्न टोला महिला पुरुष ग्रामीणों ने पानी की समस्या को लेकर फतेहपुर गांव के समीप दुमका साहेबगंज पाकुड़ मुख्य मार्ग के जाम कर दिया। ग्रामीणों का कहना है कि गर्मी के दिनों में हम लोगों के भारी पानी की समस्या होती है पानी नहीं मिलने के कारण हम लोग 1 किलोमीटर दूर से पानी लाते हैं साथ ही कुआं का पानी पीने के लिए मजबूर है। सड़क जाम की सूचना मिलते ही प्रखंड विकास पदाधिकारी थाना प्रभारी और पेयजल स्वच्छता विभाग के कनीय अभियंता जामा स्थल पर पहुंचकर ग्रामीणों को काफी समझाने बुझाने का प्रयास किया गया। महिला पुरुष को काफी समझाने बुझाने के 2 घंटा बाद सड़क जाम को हटा दिया गया। स्थानीय प्रशासन की आश्वासन पर ग्रामीणों ने जाम हटाया। एचडी विभाग के जेई दिनेश मंडल ने बताया कि इस गांव में 4 तोले में कितने भी चापाकल है उन सभी चापाकल को जल्द से जल्द दुरुस्त किया जाएगा।

स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण एवं जल जीवन मिशन के तहत समीक्षा बैठक का आयोजन

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ । स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण एवं जल जीवन मिशन के तहत पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल पाकुड़ के द्वारा समीक्षात्मक बैठक का आयोजन महेशपुर प्रखंड सभागार में आयोजित की गई। इस कार्यशाला की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी, महेशपुर उमेश मंडल के द्वारा किया गया। बैठक के उद्देश्य पर जिला समन्वयक स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण सुमन कुमार मिश्रा के द्वारा निम्न प्रकार से जानकारी दी गई। व्यक्तिगत शौचालय का निर्माण वैसे लाभुक जो किसी कारण से शौचालय नहीं बना पाए है उनके घरों पर शौचालय का निर्माण कार्य किया जाय। इसके अंतर्गत ऑनलाइन के माध्यम से आवेदन लाभुक के द्वारा किया जा सकता है एवं निर्माण का पश्चात राशि सीधे खाते में भुगतान की जाएगी। सूखे एवं ठोस कचरे का

निष्पादन सूखे कचरे के निष्पादन हेतु ग्राम स्तर पर काम्पोस्ट पिट, नाडेप, बर्मी काम्पोस्ट पीट आदि का निर्माण किया जाना है। इस हेतु व्यक्तिगत निर्माण मनरेगा द्वारा सामुदायिक स्तर पर निर्माण एसबीएम ग्रामीण के मद से किया जाएगा।

● तरल कचरे का निष्पादन

तरल कचरे के निष्पादन हेतु सामुदायिक सोक पिट का निर्माण सभी सरकारी चापकलों में रइटऋ मद से किया जाना है एवं मनरेगा के माध्यम से व्यक्तिगत सोक पीट का निर्माण कार्य किया जाएगा।

● माहवारी स्वच्छता प्रबंधन

माहवारी स्वच्छता प्रबंधन के तहत प्रत्येक ग्राम में आवश्यकता अनुसार भस्मक का अधिस्ठापन किया जाना है। यह निर्माण कार्य पूर्ण रूप से पंद्रवें वित्त के माध्यम से किया जाना है। इस पर प्रखंड विकास पदाधिकारी के द्वारा निर्देश दिया गया की प्रखंड स्तर पर 15 वे वित्त की राशि से सभी सरकारी संस्थानों में निर्माण कर प्रारंभ किया जाय प्रखंड समन्वयक सम्बंधित ग्राम की सूची प्रखंड कार्यालय में जमा करेंगे।

● गोवर्धन योजना

इस योजना के तहत एसबीएमजी के माध्यम से सामुदायिक आधारित गोबर गैस प्लांट की स्थापना की जा सकती है जंहा पर्याप्त मात्रा में पशुधन उपलब्ध है।उक्त सभी योजनाओं को जीपीडीपी में अवश्य रूप से शामिल किया जाय। प्रखंड विकास पदाधिकारी उमेश कुमार मंडल के द्वारा जानकारी दो गई की प्रखंड के 20 ग्रामों को प्रत्येक माह ओडीएफ प्लस ग्राम के रूप में विकसित करने हेतु 2023-24 में लक्ष्य रखा गया है। सभी मुखिया एवं जल साहिया तय समय सीमा पर कार्य पूर्ण करना सुनिस्चित करेंगे। वैसे ग्राम जहां शत प्रतिशत हर घर जल दिया गया है वैसे घरों पर मनरेगा के माध्यम से व्यक्तिगत सोक पिट का निर्माण किया जाएगा। मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी उमेश मंडल, ज़िला समन्वयक सुमन कुमार मिश्रा, कनीय अभियंता चंदन कुमार, अमरेन्द्र सिंह, प्रखंड समन्वयक स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण पंचायत के मुखिया एवं जल सहिया सहित अन्य उपस्थित थे।

देवनागरी लिपि संताली भाषा एवं मांझी परगाना व्यवस्था पर बैठक आयोजित

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ । आदिवासी आयदारी बैसी के अध्यक्ष रवि किस्कू के अध्यक्षता में अमड़ापाड़ा प्रखंड के ग्राम जीतको में देवनागरी लिपि संताली भाषा एवं मांझी परगाना व्यवस्था पर एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में साहेबगंज, पाकुड़, दुमका, महेशपुर से काफी संख्या में प्रबुद्ध लोग, भाषाविद, साहित्यकार, समाज सेवी एवं अमड़ा पाड़ा के अर्न्तगत विभिन्न गाँवों से मांझी, पराणीक गोईत, नाईके, ग्रामीण रैयत, एवं इसके आलावे काफी संख्या में महिलाएँ भी सम्मलित हुए। बैठक में ला-उस हसदा ने लोगो को संबोधित करते हुए कहा कि ओल चिकी लिपि उड़ीसा में तैयार कि गई है और उड़ीसा के लोग झारखण्ड में इसे लागू करना चाह रहे है। ओल चिकी लिपि में कई त्रुटियों है इस लिपि से संताली की भाषा सही सही उच्चारण नहीं होती है। ओल चिकी लिपि उड़ीया और बंगला लिपि का मिश्रण है। इसे झारखण्ड में किसी भी कीमत पर लागू नहीं करने दिया जाएगा। कुछ लोगों को उड़ीसा के अरएउअ संस्था के द्वारा ओल चिकी प्रमाण पत्र दिया जाता है और उसे प्रलोभन दिया जाता है कि इस प्रमाण पत्र से झरखण्ड में संताली भाषा शिक्षक के लिए

नौकरी मिलेगा। इसी अश्वासन पर कुछ लोग ओल चिकी का समर्थन करते हैं। जबकी डिग्री हेतु प्रमाण पत्र राज्य सरकार के बोर्ड और युनिभरसिटी के द्वारा दिया जाता है। पाकुड़ से आये किस्टु सोरेन को बैठक में सर्व सम्मति से 'शेरे संताल परगाना' की उपाधी दी गई। उन्होंने कहा कि किसी भी कीमत में ओल चिकी लिपि को संताल परगाना में लागु नहीं होने दिया जाएगा। ओल चिकी लागु होने से यहाँ के सारे संताल बुगडी हो जाएगे। उड़ीसा के संताल और संताल परगाना के संतालों की बोली भाषा में बहुत अंतर है। संताल परगाना के सताल अपनी माँ को गोगो कहते है। जबकि उड़ीसा के संताल अपनी माँ को आयो बोलते हैं। इधर की भाषा में आयो को किसी भी औरत को बोला जाता है। उन्होंने कहा कि ओल चिकी लागु होने से संतालों की भाषा और संस्कृति सब बदल जाएगी। जीन जन्तु सोरेन ने कहा कि संताल परगाना, सिदो कान्हु के द्वारा 1855 सताल हुल के कारण बनी हुई धरती है। 1855 संताल हुल के कारण ही यहाँ मांझी परगाना व्यवस्था बना। यहाँ के लोगो के लिए रढळ, अउळ बना जिसके कारण यहाँ के संतालों की जमीन सुरक्षित है। उड़ीसा के सालखन मुर्मू द्वारा यहाँ के वंशानुगत प्रधानी प्रथा को समाप्त कर संगेल मांझी बहाली करना चाहता है।जो कभी भी इसे लागू नहीं होने दिया जाएगा। बैठक में उपस्थित सभी ग्राम प्रधान, पराणीक, गोडेत नायिकी ने जोरदार रूप से इसका विरोद्ध किया। इन लोगो ने एक स्वर में कहा कि यदि वंशानुगत मांझी पराणीक गोडेत नायिकी के नियुक्ति को खत्म किया जाएगा तो पुरे संताल परगाना में जोरदार आन्दोलन किया जाएगा। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि सालखन मुर्मू द्वारा कहा गया है कि अपने देवी देवताओं को 'हाड़ी' के बदले पानी से चौकोर करने की बात पर आपत्ति जताई गई और जोरदार विरोध किया गया। बैठक में सैकड़ो व्यक्ति उपस्थित थे।

बैठक में उपस्थित सभी व्यक्तियों ने एक स्वर में कहा कि संताल परगना एवं पुरे झारखण्ड में देवनागरी लिपि से ही सताली भाषा की पढाई हो और वंशानुगत मांझी परगाना प्रथा बरकरार रहे। यदि किसी भी तरीके से इस पर छेड़-छाड किया जाता है तो इसका जोरदार विरोध किया जाएगा।

नगर परिषद ने शहरी जलापूर्ति योजना का निर्माण पंप हाउस का किया निरीक्षण

पाकुड़ । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। निवर्तमान नगर परिषद अध्यक्ष सम्पा साहा ने बहुप्रतीक्षित शहरी जलापूर्ति योजना का पश्चिम बंगाल के चांदपुर स्थित पुठीमारी ब्रिज के निकट निर्माणाधीन पंप हाउस का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में भाजपा जिला उपाध्यक्ष हिसाब राय,किसान मोर्चा के प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य अनिकेत गोस्वामी, अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला महामंत्री राजा अंसारी, पूर्व नगर मंत्री भाजपा सुशील साहा, अक्षय चौरसिया आदि मौजूद थे। पंप हाउस का कार्य तीव्र गति से चल रहा है। शहरी जलापूर्ति योजना का सबसे महत्वपूर्ण और कठिन कार्य इंटकवल का कार्य पूरा हो चुका है।अब सिर्फ विद्युत कनेक्शन कार्य बाकी है।उन्होंने प्रसन्नता जाहिर करते हुए कही कि शहरी जलापूर्ति योजना का कार्य लगभग 90% मेरे कार्यकाल में पूरा हो चुका था।अपने कार्यकाल में पाकुड़ के नागरिकों को गंगाजल उपलब्ध कराने हेतु हमने जी तोड़ प्रयास किया।90% कार्य पूरा होने के बावजूद कतिपय का राजनीतिक कारणों से विभागीय शीतलता बड़ती गई, जिससे कि मैं योजना पूर्ण करने का श्रेय से वंचित हो जाऊं। लेकिन फिर भी मैं शहरी जलापूर्ति योजना का शेष कार्य पूरा कर गंगाजल उपलब्ध कराने हेतु लगातार प्रयासरत हूं।बहुत जल्द पाकुड़ शहर को गंगाजल मिलने लगेगा जिसका श्रेय लेने हेतु हथकांडा अपनाया जा रहा है। भाजपा जिला उपाध्यक्ष हिसाबी राय ने कहा कि देश के 11 पिछले प्रखंडों में से एक आदिवासी बाहुल्य प्रखंड लिट्टीपाड़ा के 267 गांव में रहने वाले लोगों को घर-घर पानी पहुंचाने हेतु वर्ष 2017 में तत्कालीन मुख्यमंत्री रघुवर दास जी ने 217 करोड़ की योजना स्वीकृत की थी,जो आज सरकार की उदासीनता के कारण पूरा नहीं हो सका है।6 वर्षों से लंबित बहुउद्देशीय जलापूर्ति योजना को आखिर पूरा करने हेतु झारखंड सरकार क्यों नहीं रुचि ले रही है? सरकार के लापरवाही के कारण आज भी वहां के आदिवासी चुंआ और नाली का पानी पीने के लिए मजबूर हैं।और जब आज पाकुड़ शहरी जलापूर्ति योजना पुर्ण होने जा रही है तो सत्ताधारी दल के लोग श्रेय लेने हेतु उछल कूद कर रहे हैं, जिसे पाकुड़ की जनता भली भांति समझ रही है।

15 मई से वृद्धि निगरानी सप्ताह का हुआ शुभारम्भ

पाकुड़ । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) । जिला अंतर्गत सभी आंगनवाड़ी केन्द्र में आज दिनांक 15 मई 2023 से वृद्धि निगरानी सप्ताह का शुभारंभ जनप्रतिनिधि, सहिया, एसएचजी दीदी, सेविका-सहायिका, तेजस्विनी सीसी एवं लाभुक वर्ग की उपस्थिति में आंगनबाड़ी केंद्र पर किया गया।15 मई से आगामी 22 मई 2023 तक वृद्धि निगरानी सप्ताह का आयोजन आंगनबाड़ी केंद्रों पर किया जाना है जिसके अंतर्गत उपस्थिति सभी गर्भवती, धात्री, किशोरी एवं जीरो से छः वर्ष के बच्चों का वजन एवं लंबाई माप एवं सहिया द्वारा किया गया प्रत्येक दिन सेविका द्वारा तैयार माइक्रोप्लान के अनुसार लाभुकों का वजन एवं लंबाई माप करना है। जिसमें लाभुक वर्ग रुचि दिखा रहे हैं धात्री, गर्भवती, माता किशोरी भी केंद्रों पर उपस्थित होकर अपना वजन लंबाई माप करा रहे हैं। जिसका साधारण सेविका द्वारा पंजी में किया जा रहा है एवं पोषण ट्रैकर में अपलोड किया जा रहा है। जागरूकता हेतु सेविका द्वारा दीवार लेखन भी किया गया है।

अमड़ापाड़ा प्रखंड के केवटटोला में आंधी तूफान ने मचाई तबाही, एक दुकान सहित पांच घर छतिग्रस्त

पाकुड़ । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) । दोपहर बाद बेमौसम आंधी तूफान से अमड़ापाड़ा प्रखंड क्षेत्र के रांगाटोला गांव के केवटटोला ने मचाई तबाही। पांच घर को क्षतिग्रस्त कर दिया। दोपहर बाद आंधी तूफान से प्रखंड क्षेत्र के गंगा टोला निवासी शत्रुघन केवट का कच्चा मकान मैं लगे ताली को क्षतिग्रस्त किया, वहीं संजय केवट के घर के छत पर लगे कॉन्क्रीट को पूरी तरह से क्षतिग्रस्त कर दिया, सिमिन्त्री देवी के घर पर लगे ट्राली को भी उजाड़ दीया वही जियालाल केवट का दुकान को भी छतिग्रस्त कर दिया, एवं रामदेव केवट के घर पर लगे ताले को भी उजाड़ दिया। शत्रुघ्न केवट सहित संजय केवट जियालाल केवट ने बताया कि आई आंधी तूफान से हमारे का घरों को छतिग्रस्त कर

दिया गया है। संजय केवट के घर का कॉन्क्रीट (एडबेस्टर) उड़कर सिमिन्त्री देवी के घर पर जा गिरा जिसके कारण घर क्षतिग्रस्त हो गया। संजय केवट बेघर बेघर हो गया। वही जियालाल केवट का तिरपाल नुमा दुकान को भी गुजार दिया है।

संक्षिप्त समाचार

बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत बागवानी सखियों को दिया गया प्रशिक्षण

पाकुड़/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत ग्रामीण विकास विभाग, मनरेगा और झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी पाकुड़ सदर के संयुक्त तत्वाधान में प्रखंड कार्यालय के सभागार में सोमवार को मनरेगा के अंतर्गत बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत वृक्षारोपण हेतु बागवानी सखियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन प्रखंड विकास पदाधिकारी शफीक आलम की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। प्रशिक्षण में मुख्यतः बिरसा हरित ग्राम योजना की विस्तारपूर्वक जानकारी, वृक्षारोपण हेतु गड्ढा खुदाई, ले आउट कराना, गड्ढा भराई, फेंसिंग, पौधा रोपाई, पौधों का बेहतर प्रबंधन की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही पौधों की सुरक्षा,देखरेख , बागवानी सखी की भूमिका,नियोजन प्रक्रिया,बागवानी सखी और मित्र का कार्य इत्यादि पर विस्तारपूर्वक जानकारी देकर बेहतर ढंग से कार्यों को संपादित करने का निर्देश बीडीओ शफीक आलम के द्वारा दिया गया। मौके पर प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक मो फैज आलम, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी अजित टुडू, वाईपी रूद्र प्रताप सहित दर्जनों बागवानी सखी और मित्र उपस्थित थे।

अब देश में नफरत की सियासत नहीं बल्कि मोहब्बत की विकास की बात चलेगी: रोशन आरा

मधुपुर/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की बड़ी जीत पर समाजसेवी व कांग्रेस नेत्री रोशन आरा ने अपनी खुशी का इजहार करते हुए पत्रकारों को बताया के कर्नाटक की जनता ने नफरत की दीवार को गिरा कर मोहब्बत का मजबूत बुनियाद रखी है और यह बता दिया है कि अब देश में नफरत की सियासत नहीं बल्कि मोहब्बत की विकास की बात चलेगी ! उन्होंने कहीं जिस तरह से कर्नाटक चुनाव प्रचार में देश के प्रधानमंत्री ने जहरीली आग उगल कर नफरत की चिंगारी कर्नाटक में लगाना चाहती थी वहां की जनता ने इस चिंगारी को बुझा दिया है और पूरे देश को यह पैगाम सुना दिया के देश मजहबी जुनून की नफरत से नहीं चलेगी यहां नौजवानों को रोजगार महंगाई पर कंट्रोल शिक्षा पर जोर से चलेगी इसके लिए मैं कर्नाटक के सभी जनता को सलाम करती हूं

शिक्षक का अपमान एसोसिएशन सहन नहीं करेगा: रामरंजन सिंह

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

पाकुड़। झारखंड प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन रांची के महासचिव होने के नाते प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से कहना चाहता हूँ कि इस्लामपुर उत्क्रमित मध्य विद्यालय के शिक्षक विनय कुमार को इंसाफ नहीं मिलता है, तो एसोसिएशन आंदोलन के लिए सड़क पर उतरने के लिए बाध्य होगा। जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शिक्षा विभाग और जिला प्रशासन की होगी। झारखंड प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन राँची महासचिव रामरंजन कुमार सिंह ने बताया कि ज्ञात हो कि शिक्षक को राष्ट्र का निर्माता माना जाता है। उक्त उक्ति को समस्त शिक्षकगण गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ धरातल पर उतारने के लिए हर संभव प्रयास करते हैं, शिक्षक एक मार्गदर्शक, गुरु, मित्र होने के साथ-साथ सरकार के समस्त कार्यों का निर्वहन करते हैं। शिक्षक का मुख्य लक्ष्य छात्रों का सर्वांगीण विकास करते हुए परिवार, समाज एवं देश का एक जिम्मेदार नागरिक बनाना होता है। नैतिक ज्ञान, चरित्र निर्माण ,पुस्तकों का ज्ञान एवं अनुशासन के साथ जीवन जीने के समस्त ज्ञान से बच्चों को सँवारते,निखरते हैं। बच्चों के साथ उनका रिश्ता समस्त रिश्तों में सर्वोपरि होता है। हमारा देश कभी विश्व गुरु काहलाता था, लेकिन हम विकास के वर्तमान समय में सरकार की गलत नीतियों के कारण सरकार के आदेश का सिर्फ कागजी खानापूर्ति, शिक्षा छोड़कर अन्य कार्यों में शिक्षक की भूमिका और समय का सदुपयोग कराते हैं। जो

अनुचित है, शिक्षा नग्नय रह जाता है। अभिभावक ध्यान नहीं दे पाते हैं, वे पढ़े-लिखे नहीं है, न सरकार शिक्षण कार्य हेतु अभिभावकों को जागरुक कर पाते है। शिक्षण कार्य पूर्व में भी चला करता था और एक से एक विद्वान हर क्षेत्रों में देश सेवा करते हुए गये और आज भी अपने यथोचित कार्यों का निर्वहन कर रहें हैं। आज के बच्चे विकृति का अत्यधिक शिकार कोरोना काल में हुए। मोबाईल, टीभी से बच्चे घर के परिवेश में बनते-बिगड़ते हैं। हमारे प्रिय शिक्षक विनय कुमार जी के साथ दुर्भाग्यपूर्ण और निन्दनीय घटना घटित हुई। जिससे समस्त शिक्षक समाज आहत हुए हैं। शिक्षक के साथ इस तरह हुए घटनाओं का ससमय रोक नहीं लगाया गया तो समाज और देश की दुर्गति सुनिश्चित है। शिक्षा विभाग एवं जिला प्रशासन इस पर विशेष रूप के साथ संज्ञान लें, अन्यथा कोई भी सुरक्षित नहीं रहेगा, कभी भी शिक्षक, पदाधिकारी एवं अन्य समाज बुद्धजीवियों के साथ अभद्र व्यवहार होता रहेगा। शिक्षक तो निरीह प्राणी है, जो अपने दायित्वों का निर्वहन करने, अलग-अलग जिला से आते हैं ।यदि शिक्षक के प्रति अभद्र व्यवहार, मार-पीट पर आज लगाम नहीं लगा तो शिक्षा का स्तर और अधिक गिरेगा। कोई सुरक्षित नहीं रहेगा। शिक्षकों की सुरक्षा और सम्मान हर हाल में कायम रखने हेतु पाकुड़ जिला के समस्त बुद्धिजीवियों को एक मंच पर आना होगा, ताकि समाज में ऐसी अनेकानेक घटना घटित नहीं हो। बुद्धिजीवियों के लिए यह अति आवश्यक है।

मृत्यु प्रमाण पत्र निर्गत नहीं होने के विरोध में परिजनों ने प्रखंड कार्यालय के समक्ष किया धरना प्रदर्शन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

टाटीझरिया (हजारीबाग) । मृत्यु प्रमाण पत्र निर्गत नहीं होने के विरोध में सोमवार को प्रखंड कार्यालय टाटीझरिया के सामने ,अटका बगोदर निवासी हरिनाथ तिवारी परिजनों के साथ धरना प्रदर्शन किया। हरिनाथ तिवारी अपने मृत पुत्र संजीत तिवारी के मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए धरना दिया। धरने में पूर्ण महतो,सीताराम प्रसाद,रति महतो, प्रशांत कुमार,नवीन कुमार,शोभा तिवारी,अजीतक्तिवारी, खुशबू देवी,देवांति देवी समेत कई लोग शामिल थे।बताते चलें की 20 जनवरी 2023 को भी उन्होंने धरना दिया था,तब इन्हे समझौता कर हटा लिया गया था।

● क्या है मामला : 28 सितंबर 2022 को डुमर पंचायत क्षेत्र के बेड़म जंगल में दो नर कंकाल मिले थे। कपडे, कडा व अन्य के आधार पर एक नर कंकाल की पहचान संजीत तिवारी के रूप में किया गया था। संजीत के कंकाल को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंपा गया था।

मृत पुत्र के मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए आवेदन दिया तो प्रमाण पत्र बनने में समस्या उत्पन्न हो गई। प्रमाण पत्र निर्गत करने के लिए प्रखंड प्रशासन ने जिला को, जिला ने प्रदेश सांख्यिकी विभाग को पत्राचार कर दिशा निर्देश मांगा। सांख्यिकी निदेशालय रांची से प्राप्त आदेश के अनुसार मृत्यु रजिस्ट्रीकरण नियमावली 2009 के नियम 6 (2) के आलोक में नियमानुसार निबंधक के पूर्ण संतुष्टि के उपरांत मृत्यु निबंधन की कार्यवाई पूरी की जा सकेगी। अब डीएनए टेस्ट की प्रक्रिया के आधार पर मृत्यु की तारीख मिलने के बाद प्रमाण पत्र निर्गत किया जाएगा। डी एन ए टेस्ट की प्रक्रिया भी चल रहीं है।पर इसमें भी काफी विलम्ब हो चुका है।

● क्या कहते हैं श्री तिवारी –

इन्होंने कहा कि यदि मेरा बेटा जीवित है तो प्रशासनिक पदाधिकारी ला दें,यदि मृत है तो उसका मृत्यु प्रमाण पत्र दे। कहा की जब तक मुझे उसका मृत्यु प्रमाण पत्र नहीं मिल जाता वे आमरण अनशन पर बैठे रहेंगे।

सड़क निर्माण कराने की ग्रामीण ने किया प्रदर्शन आवागमन में होती है परेशानी

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। चकाई । चकाई प्रखंड अंतर्गत जमुनी गांव में सड़क निर्माण को लेकर ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया पेटार पहरी पंचायत के वार्ड नंबर 15 जमुनी गांव के आंगनबाड़ी केंद्र से दास टोला एवं मुरारी राणा के घर से लेकर काली मंडा तक करीब 15 सौ की लंबाई सड़क नहीं बनाए जाने के कारण ग्रामीण उग्र है कई बार जनप्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों से इसकी शिकायत के बावजूद आज तक सड़क नहीं बन पाने के कारण ग्रामीण को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है वही इसे लेकर जमुनी गांव के ग्रामीण उपेंद्र कुमार शर्मा सुनील राम संजीत कुमार राम पूजा देवी लाली देवी लखन साह मुंद्रिका देवी उमा देवी काजल कुमारी रोहित कुमार राम सि-ाकंदर रजक अरुण रजक सोनू कुमार नीरज बरनवाल सूरज राणा रंजन शर्मा दिलीप शर्मा संजीत सिंह खीरो हाजरा शंकर सिंह सहित सैकड़ों ग्रामीणों ने प्रखंड विकास पदाधिकारी से सड़क निर्माण कराने की गुहार लगाई है ग्रामीणों ने बताया कि सड़क नहीं रहने के कारण बरसात के दिनों में आवाजाही में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है सड़क पर कीचड़ बन जाता है जिससे छोटे-छोटे बच्चों को पठन पाठन करने हेतु विद्यालय जाने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है

डीएवी भण्डारकोला में अधिष्ठापन समारोह आयोजित किया गया

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

गीता देवी डीएवी पब्लिक स्कूल भंडारकोला के प्रार्थना सभा में अधिष्ठापन समारोह आयोजित किया गया। सत्र 2023 -24 के लिए हेड बॉय के रूप में प्रवीण कुमार और हेड गर्ल के रूप में अनन्या एंजल का चयन किया गया और उन्हें बैज प्रदान करके शपथ दिलवाया गया।इसके अलावा प्रत्येक हाउस से हाउस कैप्टन , वाईस कैप्टेन प्रीफेक्ट,सीसीए कैप्टन, डिसिप्लिन कैप्टन, खेल कैप्टन को बैज प्रदान कर मनोयोग से उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की शपथ दिलाई गई । प्राचार्य डॉ विजय कुमार ने कहा कि अधिष्ठापन समारोह का मूल उद्देश्य सेवा के साथ संस्कार प्रदान करना है । इससे बच्चे में लीडरशिप के गुण का विकास होता है और वे दायित्ववान नागरिक बनते हैं। सभी नवनियुक्त छात्रों को चाहिए कि वे पूर्ववर्ती छात्रों के पथ पर चलकर जिम्मेदारी

के साथ काम कर विद्यालय का नाम रोशन करें।वरिष्ठ शिक्षक डॉक्टर आर के सिंहा ने अपने संबोधन में इसकी महत्ता पर प्रकाश डालते हुए उद्देश्य को पूरा करने का संकल्प लेने को कहा।

दयानन्द हाउस के कैप्टन आर्यन आनंद और रिया कुमारी के साथ नवल किशोर, सुप्रिया, श्रेया सोनम, शौर्य पराशर,आइशा कुमारी, वर्षा रानी, एंजल जूली कुमारी, रंजन, मानसी, आशी कुमारी, पीहू कश्यप, साक्षी कुमारी, ऋषिदेव कुमार, आदित्य कुमार, आर्यन राज, शिवम कुमार, दिव्यांशु,लव आनंद, हर्ष भारद्वाज , करणजीत को शपथ दिलाया गया। अरबिंदो हाउस के कैप्टन अमित कुमार और प्रीति राज के साथ सृष्टि सिन्हा,प्रवीन, अहाना, कुणाल मण्डल , मानस, अक्षरा राज,सुहानी शेखर,रागिनी,लवी राज,श्वेता आनंद, श्रेया कुमारी, आस्था, आराध्या, निहाल प्रीत,आकाश, प्रिंस,नैतिक जायसवाल, सहबाज हुसैन, हर्ष राज,सुखवीर टुडू, मानस कुमार को शपथ दिलाया गया।विवेकानंद हाउस के कैप्टन अथर्व अमन और अंजलि भारद्वाज के साथ ऐश्वर्या भारती,साक्षी कुमारी,ओम प्रकाश, श्रेयस,नूपुर कुमारी मन्नत सिंह, साक्षी कुमारी, अनुष्का आनंद, रितिका कुमारी,ईशु कुमारी,दीपिका गौतम, माही मान्या को शपथ दिलाया गया। श्रद्धानंद हाउस के कैप्टन अयान चटर्जी और मांशी कुमारी के साथ आर्यन रंजन, सोनाक्षी शरोत्रिया, युवराज, अनुराधा कुमारी, सागर कश्यप, कुमारी आराध्या, सुगंधा, संस्कृति शरण,अन्नी कुमारी,नव्या झा,अदिति सिंह,अनुष्का रॉय, राधा रानी, शिवम कुमार, सत्यम कुमार गौरव,आदित्य राज, उत्कर्ष सिंह,रुद्र राज, अभय कुमार, आयुष कश्यप, शिवम वर्मा को शपथ दिलाया गया। कार्यक्रम में कई वरिष्ठ शिक्षक-शिक्षिकाओं ने छात्रों को बैज प्रदान कर उन्हें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की शपथ दिलाई। कार्यक्रम को सफल बनाने में सीसीए के इंचार्ज पार्थ गुहा और सुधा कुमारी मिश्रा, डॉ आर के सिन्हा, प्रमोद कुमार, अमृता लक्ष्मी, सत्यवीर यादव, अभिषेक सूर्य, बी के राणा, सीमांत दत्ता, सी. के. पंडित, पार्वती पंडित, स्मिता भारती, प्रवीण कुमार चौधरी, ममता कुमारी, सन्नीवा पतंडी और पी ब्रह्मा का विशेष योगदान रहा।

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई है सभी सरकारी योजना

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

संवाद सहयोगी मोहनपुर-वैसे तो मनरेगा में गड़बड़ी की शिकायत आम बात हो गई है लेकिन गड़बड़ी करने वाले अगर खुलेआम सिस्टम को ही चुनौती देने लगे तो सिस्टम में बैठे लोगों की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठना लाजमी है। पशु शेड योजना हो या मनरेगा योजना इन सभी योजना की भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई है और लूट का खसोट का बोलबाला है तभी तो मनरेगा योजना के नाम पर लूट मची है और लूटपाट का मामला सामने आने के बाद अधिकारी और कर्मी उस पर लीपापोती करने में जुड़ जाते हैं। ऐसा ही मामला घोंघा पंचायत के निजबगरा गांव के लाभुक जीतू यादव के नाम से मनरेगा पशु शेड योजना की स्वीकृति 2018-2019 मिला था। जिसमें 51739 राशि मैट्रियल पेमेंट किया है लाभुक जीतू यादव बताते हैं कि मेरे नाम से पशु

शेड योजना की सब स्वीकृति हुआ था बोर्ड भी लगा दिया लेकिन यह नहीं मालूम था कि राशि मैट्रियल पेमेंट किया गया है। जबकि पशु शेड का निर्माण अभी तक नहीं हुआ है।

● **क्या है पशु शेड भुगतान का नियम**

विभागीय नियमानुसार किसी भी योजना के पूर्ण होने पर संबंधित अधिकारी योजना की जांच करेंगे तत्पश्चात योजना में कार्य करने वाले मजदूर व योजना निर्माण में लगी सामग्री का भुगतान वेंडर के खाते में करेंगे यहां ऐसा कुछ नहीं हुआ अधिकारी ने सब कुछ जानते हुए भी राशि का भुगतान कर दिया।

● **क्या कहते हैं लाभुक**

मेरे नाम से योजना पशु शेड की स्वीकृति की 2018-2019 में मिला था लेकिन हमने जो दीवाल निर्माण कार्य किए वह आठ वर्ष पूर्व का है हमें इसका आश्वासन भी मिला था लेकिन अभी तक निर्माण नहीं हुआ है

जीतू यादव लाभुक

● **क्या कहते रोजगार सेवक**

पशु शेड आधा अधूरा छोड़ा है उसका पेमेंट भी अधूरा है पहले पशु शेड निर्माण का कार्य शुरू किया और उसी में घर- बना दिया उसका पेमेंट रोक दिए हैं

» अजय सिंह, रोजगार सेवक घोंघा पंचायत

हिरणपुर में राम भरोसे चल रहा है दाल भात योजना कभी खुलता है कभी रहता है बंद

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

विजय रविदास। पाकुड़। बड़े उत्साह और उम्मीद से पूरे राज्य में मुख्यमंत्री दाल- भात योजना की शुरूआत की गयी थी. इस योजना का मुख्य उद्देश्य गरीब लोगों को कम दामों में अच्छा भोजन देना था. लेकिन पाकुड़ जिले के हिरणपुर मैं मुख्यमंत्री दाल भाट योजना में कई गड़बड़ियां पायी गयी है. लोगों का आरोप है की खाना के नाम पर घटिया भोजन दिया जा रहा है. और संचालक मन मुताबिक दाल भात योजना केंद्र खोला जाता है, वही सोमवार को बिना विभाग की सूचना दिए बंद रहने पर कई लोग घूम कर चले गए जिस वजह से लोगों का यह भी आरोप है कि, इस केंद्र में जो भोजन परोसे जाते हैं वह इतनी घटिया क्वालिटी के

होते है कि अगर उसे जानवर के सामने रख दिया जाये तो जानवर भी मुंह नहीं लगायेंगे. प्रति दिन के हिसाब से होटल संचालकों को राशन दिया जाता है. जिसमें चावल, सोयाबीन, चना आदि दिया जाना है. सरकार द्वारा राशन मिलने के बाद भी संचालक गरीबों को घटिया भोजन देते है. भोजन में जो दाल दिया जाता है उसमें दाल कम पानी ज्यादा होता है. सब्जी भी काफी घटिया किस्म से बनाया जाता है. सबसे बड़ी बात यह है की दाल भात योजना केंद्र गंदगी के ढेर पर संचालित की जा रही है... जहां पर भोजन बनाया जा रहा है वहां गंदगी का अंबार लगा हुआ है, ग्राहक दुख मुर्मू सिमलजोड़ी, चांद तुडी सिमलजोड़ी,सुनील रविदास हाथकाठी, बसाहत अंसारी टिकलोडिह, अनिल रावत तारापुर,चांद तुरी आदि खाने आए व्यक्ति ने निराश होकर कहा यह केंद्र कभी भी बंद रहता है, पांच रुपैया की जगह 20 से 30 के खाने पर भी पेट नहीं भरता है उस पर घटिया सामग्री परोसा जाता है और खिलाने और बनाने की जगह में गंदगी का अंबार पसरा हुआ है।

● **क्या कहते हैं प्रखंड विकास पदाधिकारी और प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी**

इस संबंध में हिरणपुर प्रखंड विकास पदाधिकारी उमेश कुमार स्वांसी पर से बात करने पर सीधे मुखरते हुए कहा उक्त विभाग प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी के जिमे में है उनसे बात करें। वही प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी राम कुमार साहा से संपर्क करने के उपरांत भी बात ना होने पर कार्यालय जाकर पूछने पर कहे मुझे इसकी जानकारी नहीं है जाकर जांच करुंगा और उचित कार्यवाही करूंगा।

मोचा ने मचाया उत्पात, जारंगडीह रेलवे साइडिंग में लगे ट्रांसफर्मर धु धु कर जला

साइडिंग के सभी क्रेसर व रेलवे कांटा प्रभावित

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

बेरमो । मोचा जो पिछले लगभग 15 दिनों से क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ था। आज दोपहर उसके हल्के झोके ने बेरमो कोयलांचल के विभिन्न हिस्सों में कमो बेस उत्पात मचाता हुआ निकल गया। सोमवार को सुबह से खिली खिली और आग बरसाती धुप थी मगर दोपहर होते होते एकाएक पुरे बेरमो कोयलांचल पर मोचा तुफान ने अपने काले चादर डाल दिए और देखते ही देखते तेज हवाओ के झोको के साथ धुल उड़ने लगे। जो वाहन जहां था वही खड़ी हो गई। क्योंकि तोज हवाओ और धुल के कुछ भी दिखाई नही दे रही थी। इस तुफान ने छोटे व कमजोर पेड़ों को अपने जद में लेने के साथ साथ बिजली के कुछ पोलो और ट्रांसफार्मर को भी प्रभावित करता गया। तेज हवाओं के झोके के कारण जारंगडीह रेलवे साइडिंग

में लगे लगभग आधा दर्जन क्रेसर तथा कांटा को संचालित करने वाला ट्रांसफार्मर साउट सर्किट के कारण आग लग गई और देखते ही देखते पुरा ट्रांसफार्मर आग की चपेट में आकर धु धु कर जलने लगा। हालांकि सीसीएल जारंगडीह प्रबंधन ने आनन फानन में पानी से भरे टेंकरो को वहां भेजा और आग पर काबू पाने की कोशिश की मगर तब तक काफी देर हो चुकी थी और लगभग उक्त ट्रांसफार्मर जल कर खत्म हो चुका था। ट्रांसफार्मर की किमत लाखो मे बताई जाती है। इधर इस घटना के बाद जारंगडीह रेलवे साइडिंग के सभी क्रेसर बंद पड़ गए और और कांटा घर भी प्रभावित हुआ है। जबकि सीसीएल प्रबंधन रेलवे साइडिंग को पुनः सुचारू रूप से आरंभ करने की जुगत में जुटी हैं।

संक्षिप्त समाचार

गैर सूचीबद्ध यूट्यूब न्यूज चैनल,न्यूज पोर्टल,न्यूज ऐप,न्यूज वेबसाइट को देनी होगी जानकारी

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। गिरिडीह। पुलिस अधीक्षक, गिरिडीह के पत्रांक 1396/दिनांक 12.05.23 के आलोक में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग गिरिडीह द्वारा गिरिडीह जिले के सभी यू ट्यूब न्यूज चैनल,न्यूज पोर्टल, न्यूज ऐप, न्यूज वेबसाइट को सूचित किया जाता है कि वे सभी अपना निबंधन पत्र के साथ गिरिडीह स्थित अपने कार्यालय का पता दिनांक 1 9.5.23 तक सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय, गिरिडीह में अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे।

ताकि प्राप्त सूची को पुलिस अधीक्षक कार्यालय को उपलब्ध कराया जा सकें।जानकारी दी गई कि पुलिस मुख्यालय, झारखण्ड, राँची द्वारा सूचित किया गया है कि झारखण्ड में ऐसे कई यूट्यूब न्यूज चैनल/न्यूज पोर्टल/न्यूज एप/इन्टरनेट वेबसाईट हैं, जो सूचना एवं जनसंपर्क विभाग से सूचीबद्ध नहीं हैं।

इस तरह के चैनल में 4-5 लोग काम करते हैं, एवं उक्त चैनल का आईडी कार्ड धारण कर क्षेत्र में भ्रमणशील रहते है, इनका कोई भी पंजीकृत कार्यालय नहीं होता है। ये लोग अपने आप को चैनल का पत्रकार एवं संपादक बताते हुए विधि-व्यवस्था / शांति व्यवस्था संधारण हेतु डयुटी पर तैनात पदाधिकारियों पर दबाव भी डालने का प्रयास करते हैं। इनके द्वारा कई बार भ्रामक/गलत ढंग से खबरों को प्रकाशित करने की बात सामने आयी है।

चोरी गये लोहा को सीसीएल के सुरक्षा कर्मियों ने किया बरामद

बेरमो /झारखंड देखो/प्रतिनिधि। बीते रात्री को अज्ञात चोरो द्वारा स्वांग वाशरी से लोहा का प्लेट चोरी कर लिया गया था। मगर सीसीएल के स्वांग वाशरी के सुरक्षा प्रभारी एवं सुरक्षा प्रहरी के सतर्कता के कारण चोरी किए गए लोहे के प्लेट को बरामद कर लिया गया है। इस छापेमारी में सुरक्षा प्रभारी भीम राम, प्रधान सुरक्षा प्रहरी कामेश्वर कमार, सुरक्षा प्रहरी फिरू सांवरा, रमेश कुमार उरांव एवं अन्य गृह रक्षक शामिल थे।बताता चलू कि इन दिनों लोहा चोरो का भारी आतंक देखने को मिल रहा है। स्वांग वाशरी ही नही कथारा वाशरी, बंद केपटी पावर प्लांट इन दिनों लोहा चोरो के निशाने पर माना जाता है। मिली जानकारी के अनुसार बीते देर रात्रि रेलवे कॉलोनी स्थित बंद सीपीपी पावर प्लांट पर चोरो के एक दल ने धाबा बोला था मगर मौके पर मौजूद सुरक्षा कर्मियों हो हल्ला मचाने के बाद सभी चोर भाग खड़े हुए।

तीन दिवसीय नौ कुंडीय गायत्री यज्ञ को ले ध्वजारोहण

बगोदर/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। बगोदर प्रखंड के पोखरिया पंचायत अन्तर्गत तारानारी में नौ कुंडीय नव चेतना जागरण गायत्री महायज्ञ सह शिव हनुमान प्राण प्रतिष्ठा को लेकर सोमवार को भूमि पूजन के साथ ध्वजारोहण किया गया। वहीं कार्यक्रम में बगोदर के पूर्व विधायक नागेन्द्र महतो शमिल हुए। इस दौरान पूर्व विधायक ने कहा कि गायत्री महायज्ञ विश्व कल्याण के लिए सर्वश्रेष्ठ माना जाता है। गायत्री महायज्ञ से मनुष्य के अंदर की ऊर्जा का विकास होता है। यज्ञ की शुरुआत 19 मई को सुबह कलश सह शोभा यात्रा से साथ की जाएगी, जो 21 मई को पुर्णोहोती होगी। भूमि पूजन में जिप सदस्या रीता प्रसाद, मुखिया प्रदीप महतो, पंचायत समिति गौतम कुमार, विजय महतो, संजय कुमार, तुलशी महतो, टहल महतो, सुखलाल महतो एवम ग्रामीण महिलाएं सहित बडी संख्या में श्रृद्धालु शामिल हुए।

झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ डुमरी कमेटी की मासिक बैठक

डुमरी/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ डुमरी कमेटी की मासिक बैठक जामतारा मध्य विद्यालय में सोमवार को प्रखंड अध्यक्ष मुमताज अहमद की अध्यक्षता में हुई।बैठक में उपस्थित शिक्षकों ने वर्षों से लंबित प्रोन्नति एवं सभी ग्रेडों में भूतलक्षी प्रभाव से अविलंब देने की मांग की अन्यथा आंदोलन की बात कही।वहीं कहा कि 2015-2016 एवं 2019 में नियुक्त शिक्षकों का अंतर जिला स्थानांतरण शीघ्र करने,विद्यालय की ग्रीष्मावकाश संचालन पूर्व की तरह सुबह 6:30 बजे से 11:30 बजे तक करने,शिक्षकों को लिपिक कार्यों से मुक्त रखने की मांग की गयी।बैठक में देवकी मंडल, महेन्द्र महतो,मंसूर आलम, मोईनुद्दीन,रूस्तम अली,कपिलदेव करमाली,रोहिणी कुमारी,मीरा देवी,मंजु कुमारी आदि शिक्षक उपस्थित थे।

राष्ट्रीय डेंगू दिवस का होगा आयोजनः उपायुक्त

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

देवघर। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी श्री मंजूनाथ भजंत्री के निर्देशानुसार सिविल सर्जन डॉ युगल किशोर चौधरी, जिला भीबीडी पदाधिकारी डॉ आलोक कुमार सिंह, जिला भीबीडी सलाहकार डॉ गणेश कुमार ने संयुक्त रूप जानकारी दी कि जिले में 16 मई को राष्ट्रीय डेंगू दिवस का आयोजन किया जाएगा। इस वर्ष आठवां राष्ट्रीय डेंगू दिवस मनाया जाना है जिसका थीम ₹हार्नेस पार्टनरशिप टू डिफीट डेंगू₹ अर्थात ₹डेंगू को हराने के लिए साझेदारी का उपयोग करें₹है। इसके लिए जिला एवं प्रखंड स्तर पर गोष्टी का आयोजन, रैली एवं प्रभात फेरी निकालना, विद्यालय जागरूकता कार्यक्रम के तहत बच्चों को जागरूक करना, प्रिंट मीडिया द्वारा जन जागरूकता करना तथा आईपीसी के तहत घर-घर भ्रमण कर डेंगू रोग से बचाव संबंधी जन जागरूकता एवं प्रचार प्रसार जैसे क्रियाकलापों को किया जा रहा है। साथ ही वैक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत देवघर शहरी क्षेत्रों में राज्य मुख्यालय द्वारा आवंटित कम्युनिटी वॉलिंटियर्स द्वारा जुलाई से लेकर 100 दिनों तक तथा ग्रामीण क्षेत्रों में सहिया, एमपीडब्ल्यू एवं अन्य स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा जुलाई से लेकर दिसंबर माह तक एक टीम बनाकर घर-घर जाकर लोगों को जागरूक करेंगी। इसके लिए शहरी क्षेत्रों में फाइलेरिया नियंत्रण इकाई के साथ देवघर नगर निगम एवं मधुपुर नगर पालिका के छिड़काव दलों आदि का सहयोग लिया जाना है। आगे उन्होंने कहा कि जनहित में स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी घर के अंदर निगरानी खोज के लिए जाएं, तो उन्हें सहयोग करें। उन्होंने बताया कि मलेरिया, डेंगू/चिकनगुनिया के रोकथाम में जन-जागरूकता के साथ जन-सहभागिता होनी चाहिए, तभी सफलता मिलती है। आगे कहा कि गांव या मोहल्ले में किसी व्यक्ति को यदि मलेरिया, डेंगू/चिकनगुनिया हो गया हो तो उसे छुपाना नहीं है। इसकी जानकारी उसके घरवाले या पड़ोसी या इलाज करने वाले चिकित्सक अथवा जांच घर के संचालक द्वारा सिविल सर्जन/जिला मलेरिया कार्यालय या संबंधित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्राधीक्षक को जनहित में अनिवार्य रूप से दिया जाना है। ताकि उक्त रोगी के घर तथा आसपास के क्षेत्रों में त्वरित डेंगू/चिकनगुनिया रोधी निरोधात्मक कार्रवाई किया जा सके और इसे अन्यत्र फैलने से अविलंब रोका जा सके, यदि ऐसा नहीं करते हैं तो डेंगू रोगी की जानकारी को छुपाने के आरोप में संबंधित पर भादंसं 188 प्रावधान के तहत कानूनी कार्रवाई किया जाएगा। साथ ही 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों की सूचना उनके अभिभावकों द्वारा दिया जाना अनिवार्य हैं।

इसके अलावे सिविल सर्जन ने कहा कि डेंगू चिकनगुनिया के लक्षण है कि अचानक तेज बुखार आना, आँखो के पिछले हिस्से में दर्द होना, जोड़ों एवं मांसपेशियों में दर्द होना, पहचान खो देना, त्वचा, छाती और हाथों में खसरा जैसे चकते दाने निकल आना, पेट दर्द और थकान तथा आराम न मिलना, साथ ही मसूड़ों से खून आना, भोजन से अरुचि, भूख ना लगना आदि। उन्होंने बताया कि इससे बचने का सबसे सरल उपाय है मच्छरों के काटने से बचना, घर के आसपास साफ-सफाई रखें, सभी पुराने टायरों, बर्तनों तथा बिना उपयोगी अथवा उपयोग में नहीं आने वाली वस्तुओं को अपने ऑफिस एवं घरों से हटा दें, नष्ट कर दें। ताकि इनमें पानी का जमाव ना हो। उन्होंने बताया कि पानी के बर्तनों को हमेशा ढक कर रखें, क्योंकि एसिड मच्छर हमारे घर तथा आसपास में जमा हुए स्वच्छ जल में ही पनपते हैं। उन्होंने कहा कि इसके लिए सप्ताह में कम से कम 1 बार पानी की टंकी, गमलों, फूलदान और फ्रिज के ट्रे के साथ छत पर या बगीचे या गली आदि में बेकार पड़े मग, बाल्टी, डब्बा, प्लास्टिक कप आदि को सफाई कर उसे सूखने दें। साथ ही पूरे शरीर को ढकने वाले कपड़े पहने, हमेशा मच्छरदानी के अंदर सोएं, संभव हो तो कीटनाशीयुक्त मच्छरदानी का प्रयोग करें। उन्होंने बताया कि बुखार आने पर खूब पानी पिए और आराम करें।

जिला भीबीडी पदाधिकारी डॉ आलोक कुमार ने बताया कि बताया कि डेंगू चिकनगुनिया संक्रमित मादा एसिड मच्छर को काटने से होता है। जो प्रायः दिन में काटती है। यह हमारे घरों और कार्यालयों में लगे पर्दों के पीछे, मेज-टेबल, सोफे, प्लंग आदि के नीचे छिपे रहतीं हैं, जिसे समय-समय पर साफ़ करके इसके डंक से बचा जा सकता है। ज्यादातर एडिस मच्छर हमारे शरीर के निचले हिस्से में काटती है। इसलिए यथासंभव इन अंगों को ढंककर रखना ज्यादा जरूरी है। बड़े जलजमाव वाले छात्रों में लार्वाभक्षी मछली या जला हुआ मोबिल या केरोसिन तेल आदि डालें ताकि इन में पल रहे मच्छर के लार्वा नष्ट हो जाए और आगे भी मच्छर यहां अपने अंडे ना दे पाएं। उन्होंने बताया कि अगर इन बातों पर ध्यान दें तो डेंगू चिकनगुनिया से बचाव आसान होगा। आगे बताया कि बचाव, इलाज से बेहतर होता है। फिर भी किसी भी बुखार को हल्का में न लें, यह डेंगू चिकनगुनिया हो सकता है। तुरंत नजदीकी सरकारी अस्पताल या चिकित्सक से संपर्क करें। इसके लिए सदर अस्पताल, देवघर में हमेशा की तरह अलग से डेंगू वार्ड चिन्हित किया गया है, जहां पर मरीजों को भर्ती कर निःशुल्क इलाज किया जाएगा। साथ ही सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अंतर्गत अस्पतालों में भी इसके प्राथमिक उपचार की व्यवस्था की गई है। झारखंड सरकार द्वारा डेंगू, चिकनगुनिया रोगियों की विशेष जांच (एलाइजा जांच) एवं प्रबंधन की व्यवस्था हेतु राज्य के तीन चिकित्सा महाविद्यालय रिम्स रांची, एन.एम.एम.सी.एच.- धनबाद, एमजीएम-जमशेदपुर के साथ सदर अस्पताल - रांची, डीपीएचएल - चाईबासा, साहबगंज, हजारीबाग, पलामू, दुमका, गोड्डा एवं सिमडेगा को सेंटिनल सर्विलेंस अस्पताल के रूप में चिन्हित किया गया है।

अतिक्रमण के खिलाफ अंचल अधिकारी ने चलाया अभियान

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। देवीपुर प्रखंड मुख्यालय बाजार स्थित गोचर जमीन पर अवैध रूप से गुमटी झोपड़ी नुमा बनाकर व्यवसाय कर रहे लोगों के अतिक्रमण के खिलाफ अंचल अधिकारी ने चलाया अभियान इस अभियान में

अवैध रूप से बने झोपड़ी एवं गोचर जमीन में बनाए गए गुमटी को हटाया गया इस अवसर पर थाना प्रभारी धनंजय कुमार सिंह के अलावे काफी संख्या में पुलिस बल अंचल अधिकारी कर्मचारी आदि मौजूद थे यह कार्य कार्यवाही दिन के 11:00 बजे प्रारंभ किया गया जानकारी होगी 2 दिन पूर्व अंचल अधिकारी द्वारा माइकिंग कर सभी को अपना अपना दुकान हटाने का निर्देश दिया था परंतु कुछ दुकानदार दुकान नहीं हटाए थे आज अचानक जेसीबी और भारी संख्या में पुलिस बल देखकर दुकानदार अपना अपना दुकान हटाने लगे तभी सभी को जल्द से जल्द हटाने का निर्देश अंचल अधिकारी ने दिया और शाम होते होते सभी अवैध निर्माण को हटाया गया

नशे के खिलाफ देवघर पुलिस का अभियान लगातार जारी है

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। नशे के खिलाफ देवघर पुलिस का अभियान लगातार जारी है... सोमवार के दिन भी लगातार छापेमारी की कार्रवाई करते हुए देवघर सदर एसडीपीओ पवन कुमार के नेतृत्व में गठित टीम ने शहर के बिलासी टाउन स्थित चकाचक बजरंगबली मंदिर के समीप से करीब 1.5 किलो गांजा के अजय मंडल और मुन्ना मंडल नाम के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है... इस बाबत जानकारी देते हुए सदर एसडीपीओ ने बतलाया है की, पकड़े गए दोनों आरोपी को लेकर लगातार सूचना मिल रही थी जिसके बाद, जाल बिछाकर दोनों की गांजा के साथ रंगेहाथ गिरफ्तार किया गया है... आपको बता दें की, बीते 2 दिनों के भीतर देवघर की पुलिस ने मोहनपुर थाना क्षेत्र और नगर थाना क्षेत्र से 4 नशे के सौदागरों को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे ढकेल दिया है.

नुनु झा राजद प्रदेश सचिव मनोनीत

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। देवघर । राष्ट्रीय जनता दल झारखंड प्रदेश कार्यालय रांची में श्री रंजन कुमार यादव प्रदेश अध्यक्ष युवा राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्षता में युवा राष्ट्रीय जनता दल झारखंड प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक हुई जिसमें मुख्य अतिथि श्री राजीव कुमार झा प्रभारी युवा राष्ट्रीय जनता दल झारखंड प्रदेश सहित युवा राष्ट्रीय जनता दल झारखंड के प्रदेश के सभी पदाधिकारी सभी जिलाध्यक्ष और महानगर अध्यक्ष उपस्थित थे।

लोकहित जनहित के कार्यों में समर्पण की भावना युवा राष्ट्रीय जनता दल एवं राष्ट्रीय जनता दल के प्रति समर्पण की भावना का सम्मान करते हुए देव नन्दंन झा उर्फ नुनु झा को सम्मानित करते हुए सचिव युवा राष्ट्रीय जनता दल झारखंड प्रदेश का दायित्व सौंपा गया।

राजा राममोहन राय राष्ट्रीय पुस्तकालय कोलकाता व जिला केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा राजा राममोहन राय जी की 250 वी जयंती कार्यक्रम

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

गिरिडीहः। आज राजा राममोहन राय राष्ट्रीय पुस्तकालय कोलकाता तथा गिरिडीह जिला केंद्रीय पुस्तकालय के तत्वाधान में राजा राममोहन राय जी की 250 वी जयंती कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सर जेसी बोस हाई स्कूल से छात्राओं द्वारा प्रभात फेरी निकाली गई। इस प्रभात फेरी का मुख्य उद्देश्य नारी सशक्तिकरण के प्रति लोगों को जागरूक करना था जिसमें लगभग ढाई सौ छात्राओं एवं विभिन्न स्कूल के शिक्षक, जिला शिक्षा पदाधिकारी समेत जिला के पुस्तकालय के कर्मचारी गण तथा सर जेसी बोस गर्ल्स हाई स्कूल की कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। यह रैली गर्ल्स हाई स्कूल से होते हुए टावर चौक कचहरी होते हुए पुणे गर्ल्स हाई स्कूल पहुंची। जहां छात्राओं के बीच बिस्किट तथा हेल्थ ड्रिंक का वितरण जिला शिक्षा पदाधिकारी द्वारा किया गया। करेक्ट कार्यक्रम के दूसरे फेज में जिला केंद्रीय पुस्तकालय में नारी सशक्तिकरण विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में

गिरिडीह जिले के विधायक श्री सुदीव्य कुमार सोनू, जिला परिषद अध्यक्ष मुनिया देवी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, श्रीमती नीलम आईलिन टोप्पो, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, श्रीमती रश्मि सिन्हा, रामजी प्रसाद जी क्षेत्र शिक्षा पदाधिकारी, तथा सर जेसी बोस के प्राचार्य प्रधानाध्यापक श्री मुन्ना कुशवाहा जी थे।

इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए माननीय विधायक ने कहा कि पुस्तकालय वह मंदिर है जहां पर हमें हमें कुछ बनने की प्रेरणा देता है और यह हमारे लिए गौरव का विषय है कि हमारे जिले में भारत के संविधान की मूल प्रति रखी हुई है और उन्होंने कहा कि सामाजिक चेतना के लिए जो राजा राममोहन राय जी द्वारा जो कार्य किया गया। वह आदरणीय अनुकरणीय है, जिसका अन्य कोई उदाहरण नहीं मिल सकता है। और यह बहुत ही सौभाग्य का विषय है कि हम इस कार्यक्रम को मनाने के लिए उपस्थित हुए हैं।

इसके अलावा जिला परिषद अध्यक्षा, श्रीमती मुनिया देवी ने कहा कि आज हर जगह नारी आगे बढ़ चढ़कर हिस्सा ले रही है। चाहे वह राष्ट्रपति हो राज्यपाल हो और और भी कहीं कहीं ना कहीं यह राजा राममोहन राय जी की देन है।

पुस्तक समीक्षा

रिसर्च प्रोजेक्ट के लिए सिनोप्सिस कैसे लिखें-एक गाइड(अंग्रेजी और हिन्दी),2022, डा. विनोद कुमार शर्मा (हेड इन चार्ज,यूनिवर्सिटी डिपार्टमेंट आफ साइकोलोजी,एस.के.एम. यूनिवर्सिटी, दुमका), बुक्सक्लिनिक पब्लिशिंग,बुक्सक्लिनिक बिल्डीग,कुदुदन्द,पंचमुखी हनुमान मंदिर के निकट, बिलासपुर-495001,छत्तीसगढ,पृ.63,मूल्य-220/--।

मेरी जानकारी में शोध की आधारभूत लेखन से सम्बन्धित कोई अन्य पुस्तक इससे तुलनीय नहीं है--डा.विनय कुमार सिन्हा,संकायाध्यक्ष सह हिन्दी विभागाध्यक्ष,एस.के.एम.यूनिवर्सिटी,दुमका

मौलिक तरीके से अपना शोध कार्य करने वाले प्रत्येक शोधार्थी को इस पुस्तक का अध्ययन अवशय करना चाहिये है-डा.दिनेश नारायण वर्मा, इतिहासकार

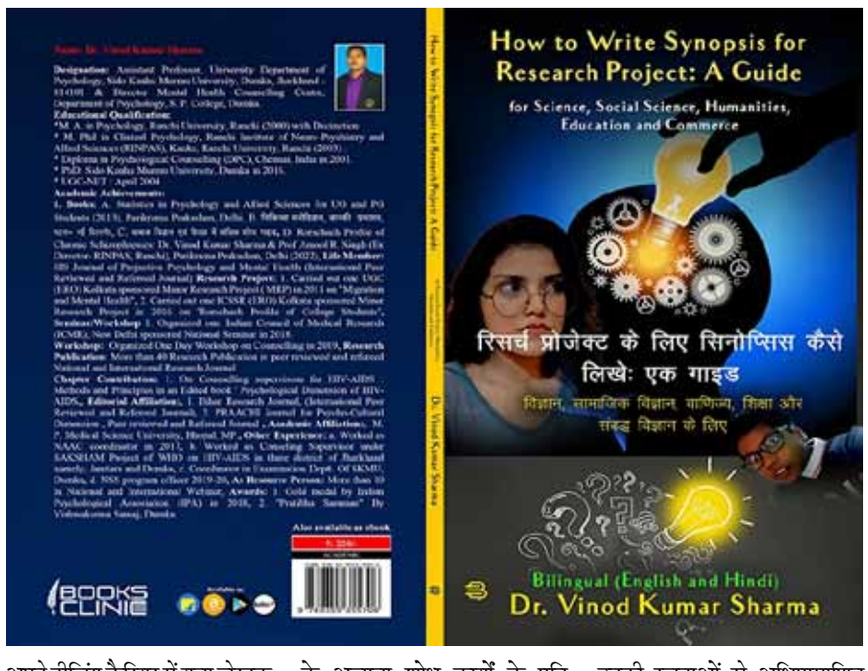

अपने टीचिंग कैरियर में युवा लेखक डा विनोद कुमार शर्मा पेशेगत रूप से महज ईमानदार ही नहीं दिखते बल्कि सतत परिश्रमी,निष्ठावान और पूरी तरह से समर्पित भी नजर आते है। पठन- पाठन और लेखन के अलावा शोध कार्यों के प्रति उनका उत्सर्ग बड़ा ही प्रशंसनीय है। मूल रूप से शिक्षक प्रो.डा. शर्मा अपने छात्र-छात्राओं के अलावा शोधार्थियों की जमीनी समस्याओं से भी अवगत हैं।यह उनकी रचनाओं से अभिप्रामाणित है। अंग्रेजी और हिन्दी में लिखित उनकी रचना-रिसर्च प्रोजेक्ट के लिए सिनोप्सिस कैसे लिखें-एक गाइड--(2022) से स्पष्ट है कि लेखक ने युवा शोधार्थियों को उनके प्रारम्भिक समस्याओं के निराकरण के लिए सहज मार्ग प्रशस्त कर दिया है। यह एक बड़ी शैक्षणिक उपलब्धि है। हालांकि यह रचना सतसैया के दोहे की तरह है जो देखने में संक्षिप्त है,छोटा है पर इसके द्वारा युवा शोधार्थियों का किया गया मार्गदर्शन बेजोड़ और बेमिसाल है।यह पुस्तक विज्ञान,सामाजिक विज्ञान, वाणिज्य, शिक्षा और संबद्ध विज्ञान के युवा शोधार्थियों के लिए बेहद उपयोगी और सहायक है।इस तरह की कोई दूसरी रचना नहीं होने से शोधार्थियों में इसकी चर्चा और लोकप्रिय होना लगभग निश्चित है।

पुस्तक दो भागों में है।इसके पहले भाग में सम्बन्धित तथ्यों की विवेचना अंग्रेजी मे है।(पृ.1-28)पुस्तक के हिन्दी भाग में भी (पृ.29-63) कुल चार अध्याय हैं पर इनमें अलग अलग शीर्षकों के अन्तर्गत कुल ग्यारह विवेचनाएं है जो मूल रूप से शोधार्थियों की समस्याओं के आलोक में संक्षिप्त में वर्णित हैं। इसकी भाषा सरल और सुबोध है,आसानी से समझने योग्य है,इसलिए किसी शोधार्थी को किसी प्रकार की परेशानी होने की कोई गुजांइश नही है। अध्याय-1में इसके विभिन्न शीर्षकों में शोध प्रस्ताव या सिनोप्सिस क्या है,सिनोप्सिस क्यों महत्वपूर्ण है और अनुसंधान सारांश के तत्व की बड़ी ही सटीक और सुन्दर विवेचना है।(पृ.35-36) वास्तव में प्रोफेसर शर्मा ने गागर में सागर भरने की सफल कोशिश की है।एक लेखक के रूप में यह उनकी विशेषताओं में शीर्ष पर है। इसलिए शोधार्थियों के बड़ी आसानी से सम्बन्धित तथ्यों को समझने और इससे पूरी तरह से अवगत होने की उम्मीद है।अध्याय -2 में अनुसंधान क्या है,अनुसंधान की परिभाषाएं,वैज्ञानिक अनुसंधान के मुख्य उद्देश्य,अंनुसंधान की धारणाएं,अनुसंधान के प्रकार,गुणात्मक और मात्रात्मक अनुसंधान के बीच तुलना आदि आधारभूत सम्बन्धित बिन्दुओं को बड़े ही सरल शब्दों में स्पष्ट किया गया है।(पृ.37-41) इसके अध्याय-3 में वैज्ञनिक अनुसंधान के विभिन्न चरणों की संक्षिप्त पर सुन्दर विवेचना है।(पृ.42-62) इसमें लेखक ने शीर्षक,सारांश,बीज शब्द,परिचय,साहित्य की समीक्षा,जांच की जाने वाली समस्याएं,क्षेत्र,जांच और प्रेरणा का उद्देश्य,परिकल्पना,डेटा संग्रह और इसकी प्रक्रिया,अनुसंधान डिजाइन,सांख्यकीय विश्लेषण,महत्व,प्रासंगिकता,मौजुदा ज्ञान में योगदान, नोट्स,ग्रंथ सूची,परिशिष्ट आदि की सरल शब्दों में विवेचना की है। प्रो.डा.शर्मा नें अध्याय-4 में शोधार्थियों के लिए के लिए जो सुझाव दिये हैं (पृ.63)उन पर उन्हें विशेष ध्यान देने की आवशयकता है क्योंकि जिन तथ्यों की ओर विद्वान लेखक ने इशारा किया है वैसी गलतियां शोधार्थियों से अक्सर हो जाती हैं। विद्वान लेखक द्वारा बताये गये दिशा निर्देशों के अमल करने पर शोधार्थी निश्चित रूप से बेहतर शोध कार्य करने के लिए प्रेरित होंगें। डा राम पाण्डे(जयपुर,राजस्थान) के अनुसार एक शोधार्थी में जिज्ञासु प्रवृति,ज्ञान प्राप्ति की चाहत,शोध कार्य करने की सच्ची लगन,यथार्थ चित्रण की कला मेंपारंगत,धैर्य,मानवता की सेवा का भाव,तटस्थता एवं निष्पक्षता,पूर्वाग्रहों और दुराग्रहों से मुक्त आदि योग्यताएं होनी चाहिये।(2014:12) पर गहन अध्ययन करने वाले शोधर्थियों को सम्बन्धित तथ्यों की संक्षिप्त विवेचना किये जाने की शिकायत हो सकती है पर यह भी ध्यान रखना आवशयक है कि यह एक गाइड है और लेखक का प्रथम प्रयास है। फिर भी लेखक को कतिपय प्रख्यात रचनाओं का उल्लेख कर देना चाहिये था ताकि ऐसे शोधार्थी गहन अध्ययन कर सकें और उन्हें किसी प्रकार की कोई शिकायत नहीं हो।। इसस सम्बन्ध में बी.एन.घोष(1982), सी.आर.कोठारी 1992,रणजीत कुमार (1996),राम अहूजा (2001), एस.एन.गणेशन (2007),विनय मोहन शर्मा (2009),राम पाण्डे(2014) आदि प्रख्यात लेखकों की रचनाएं भी शोधार्थियों के लिए उपयोगी हैं। इसके बावजूद इससे पुस्तक की महत्ता कम नहीं होती और शोधार्थियों को सम्बन्धित तथ्यों की जानकारी के लिए यह पुस्तक उनके लिए बेहद उपयोगी और सहायक हैं। मौलिक तरीके से अपना शोध कार्य पूरा करने वाले प्रत्येक शोधार्थी को इस पुस्तक का अध्ययन अवशय करना चाहिये।मेरी जानकारी के अनुसार सभी तथ्यों का अंग्रेजी और हिन्दी में क्रमशः सरल और सहज प्रस्तुतीकरण सम्भवतया किसी अन्य पुस्तक में उपलब्ध नहीं है। इसलिए प्रो.डा.विनोद कुमार शर्मा की इस पुस्तक की प्रशंसा करने वालों में प्रो.कीर्ति,मनोविज्ञा विभाग,पांटलिपुत्र विवि,पटना, बिहार,डा.पुष्पलता,डा.निरंजन प्रसाद यादव,कुलसचिव,तिलका मांझी भागलपुर विवि,भागलपुर,बिहार,डा रूपेश रंजन,भोपाल स्मारक एवं अनुसंधान केन्द्र,भोपाल,डा. संजय कुमार सिंह,डीएसडब्लयू, एसकेएमयू, दुमका और प्रोफेसर डा.एच.पी. शर्मा, पूर्व प्रति कुलपति ।,एसकेएमयू,दुमका,झारखंड आदि शामिल हैं।

(इतिहासकार डा.वर्मा, स्टडी एंड रिसर्च सेंटर,चांदमारी रोड,उत्तरपल्ली, रामपुरहाट-731224 (वीरभूम) पश्चिम बंगाल के संस्थापक निदेशक हैं।)

विस अध्यक्ष की मुहिम के बाद सरकार ने लिया बड़ा फैसला, ज्ञान चंद गुप्ता ने जताया मुख्यमंत्री का आभार

जिलों में खुलेंगे 100 बिस्तर के मनोचिकित्सा एवं नशा मुक्ति केंद्र

नशों की समस्या में जकड़े युवाओं का होगा प्रभावी ढंग से पुनर्वास

हरियाणा/चंडीगढ़,।

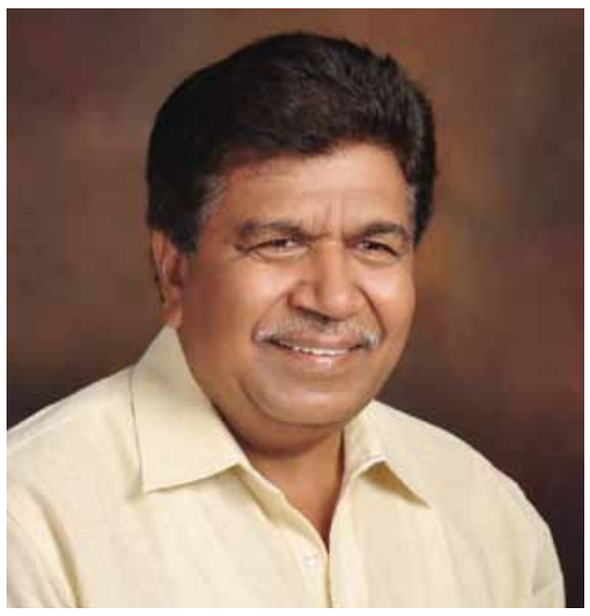

नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र के नाम पर अवैध धंधा करने वालों के खिलाफ विधान सभा अध्यक्ष ज्ञान चंद गुप्ता की मुहिम के बाद प्रदेश सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। समस्या से निपटने के लिए मनोहर सरकार प्रदेश भर में नशा मुक्ति केंद्र खोलेगी। संत महात्माओं को भी ऐसे केंद्रों के संचालन का जिम्मा सौंपा जाएगा ताकि वे युवाओं का मार्गदर्शन कर उन्हें जीवन में सही मार्ग पर लाएं। विस अध्यक्ष ने इस फैसले के लिए मुख्यमंत्री मनोहर लाल का आभार व्यक्त किया है। गुप्ता ने कहा कि सरकार के इस निर्णय से प्रदेश भर में फैला नशाखोरों का तंत्र ध्वस्त होगा और इस समस्या में जकड़े युवाओं का प्रभावी ढंग से पुनर्वास हो सकेगा। उन्होंने कहा कि इससे प्रदेश के लाखों परिवार लाभान्वित होंगे।

गत दिनों विधान सभा अध्यक्ष ज्ञान चंद गुप्ता के संज्ञान में आया है कि जिले में चल रहे निजी नशामुक्ति एवं पुनर्वास केंद्रों की गतिविधियां ठीक नहीं है। उन्हें शिकायत मिली थी कि यहां नशा छुड़ाने के नाम पर युवाओं को नशीले पदार्थ उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए उन्होंने गत 3 मई को पिंजौर के गांव मड़ावाला में चल रहे नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र पर छापामारी की। छापामारी के दौरान फर्जी रिकॉर्ड समेत अनेक प्रकार की अनियमितताएं मिलीं। इतना ही नहीं इस केंद्र का लाइसेंस भी छह माह पहले खत्म हो चुका था। विधान सभा अध्यक्ष द्वारा किए गए इस औचक निरीक्षण के बाद आरोपित डॉ. विनीत यादव को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था।

इसके बाद 5 मई को विधान सभा अध्यक्ष के प्रयास से बरवाला, मौली और बतौड़ स्थित अवैध पुर्नवास केंद्रों से भी 43 मरीजों को रिहा करवाया गया। इन मरीजों को बुरी हालत में रखा हुआ था। 6 मई को विधान सभा अध्यक्ष ने सेक्टर 6 स्थित सिविल अस्पताल पहुंच उपचाराधीन युवकों से मुलाकात की थी।

बाद में विस अध्यक्ष ज्ञान चंद गुप्ता ने प्रदेश के गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज से मुलाकात कर मामले की गंभीरता से अवगत करवाया। उन्होंने कहा है कि इन मामलों की तह तक जाना चाहिए और इनमें संलिप्त सभी दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। यह भी पता लगाया जाना चाहिए कि इन केंद्र संचालकों को किसका संरक्षण मिल रहा है।

विधान सभा अध्यक्ष ज्ञान चंद गुप्ता ने कहा कि पंचकूला में 100 बिस्तर का मनोचिकित्सा एवं नशा मुक्ति केंद्र खुलेगा। अब यहां पुरुष और महिला वार्ड स्थापित हो सकेंगे। इससे यहां नशे की दलदल में फंसे युवाओं का उपचार हो सकेगा और उन्हें प्राइवेट केंद्रों के हाथों ठगी का शिकार नहीं होना पड़ेगा। फिलहाल पंचकूला के सिविल अस्पताल में नशा मुक्ति के लिए 10 बिस्तरों की ही व्यवस्था है, जबकि इलाज करवाने के लिए सीमावर्ती पंजाब के इलाकों से भी रोगी आते हैं।

गौरतलब है कि प्रदेश भर में बड़ी से संख्या में निजी नशामुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र खुले हुए हैं। ये केंद्र संचालक नशामुक्ति एवं पुनर्वास के लिए समाजिक न्याय एवं कल्याण विभाग से लाइसेंस लेते हैं, जबकि रोगी की मनोचिकित्सा करने के लिए स्वास्थ्य सेवा विभाग के महानिदेशक की ओर से लाइसेंस दिया जाता है।

गौरतलब है कि विधान सभा अध्यक्ष ने पंचकूला में अपने 7 सरोकारों की मुहिम के तहत जिले को नशा मुक्त बनाने का अभियान शुरू किया है। इसके लिए वे पंचकूला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समय-समय पर बैठक कर रणनीति की समीक्षा भी करते हैं।

सी एम अलाउंसमेंट में 5 साल पूर्व घोषित जेबीटी से उतरो तक की सड़क निर्माण का टेंडर जल्दी करवाने की मांग ग्रामीणों व उतरो सरपंच ने जिला परिषद रोमा राणा और पंचायत समिति सदस्य बलदेव राणा के सम्मुख रखी

हरियाणा/चंडीगढ़,।

आज ग्राम पंचायत उतरो के लोगों ने एक विशेष बैठक बुलाकर मोरनी जेबीटी से लेकर उतरो गांव तक सीएम एलाउंसमेंट द्वारा बनाई जाने वाली सड़क का टेंडर जल्दी करवाए जाने के लिए सरपंच ब्लॉक समिति मेंबर और जिला परिषद मेंबर को बुलाकर समस्या रखी। और पांच साल पूर्व सी एम अलाउंसमेंट में घोषित जेबीटी से उतरो तक की सड़क निर्माण नही होने पर आ रही समस्या बारे अवगत करवाया।

ग्रामीणों व उतरो सरपंच प्रीतम सिंह हथिया ने जिला परिषद रोमा राणा और पंचायत समिति सदस्य बलदेव राणा के सम्मुख रख टेंडर जल्दी करवाने की मांग की ।ग्रामीणों ने मांग रखी है कि हमारे गांव के लिए सीएम एलाउंसमेंट से सड़क बनाने के लिए बजट दिया गया है ।लेकिन आज तक इसका कार्य शुरू नहीं हो पा रहा है। ग्रामीणों की इस समस्या देखते हुए प्रतिनिधियों ने जल्द ही आश्वासन दिया है कि जिला उपायुक्त से मिलकर व संबंधित विभाग के अधिकारियों से मिलकर इसका टेंडर करवाया जाएगा।

जानकारी के अनुसार यह सड़क मोरनी जेबीटी से लेकर गांव उतरो तक बनाई जानी है। जिसमें आने वाली जमीन ग्राम निवासी निशुल्क देने के लिए तैयार है और इस रास्ते में किसी का कोई एतराज नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

आजादी के प्रखर नायक शहीद सुखदेव जी की 116 वीं जयंती का कार्यक्रम धूमधाम से मनाया

हरियाणा/चंडीगढ़,। देश की आजादी के प्रखर नायक शहीद सुखदेव जी की 116 वीं जयंती का कार्यक्रम मेजर संदीप सागर सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेक्टर 7 और शहीद भगत सिंह जागृति मंच के सौजन्य से स्कूल के प्रांगण में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत शहीद के चित्र पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि के साथ हुई।मंच के अध्यक्ष जगदीश भगत सिंह ने बताया कि आज की युवा पीढ़ी को शहीदों के बारे में पूरी जानकारी रखनी चाहिए जिन्होंने हमें आजादी दिलाई और कहा कि समय-समय पर शहीदों के जन्मदिन व शहादत दिवस मनाए जाने चाहिए। मंच की कार्य कारिणी सदस्य हिमांगी शर्मा ने शहीद सुखदेव जी की जीवनी के बारे में बच्चों को अवगत कराया और स्कूल की प्रिंसिपल लता सैनी ने अपने संबोधन में कहा कि आज के युवा शहीदों से प्रेरणा ले कि किस तरह से बच्चों में वीरता का भाव पैदा हो। इस अवसर पर मंच के अध्यक्ष जगदीश भगत सिंह, दीपक शर्मा ,हिमांगी शर्मा, स्कूल की प्रिंसिपल लता सैनी जी, गायत्री मलिक, विजेंद्र मलिक, गीता, कविता संधू, व महावीर दहिया जी भी उपस्थित रहे।

गो वन सेवा धाम में आज मुख्य सड़क के निर्माण का उद्घाटन प्रांत प्रचारक एवं गो सेवा प्रमुख पंजाब प्रांत

हरियाणा/चंडीगढ़, । गो वन सेवा धाम में आज मुख्य सड़क के निर्माण का उद्घाटन प्रांत प्रचारक एवं गो सेवा प्रमुख पंजाब प्रांत के कर कमलों द्वारा किया गया उल्लेखनीय है कि गो वन की मुख्य सड़क टूट जाने के कारण गो भक्तों को परेशानी का सामना करना पड़ता था गौ सेवकों की परेशानी को देखते हुए गो वन सेवा धाम में आज विधिवत रूप से सड़क बनाने का उद्घाटन श्रीमान प्रांत प्रचारक एवं गौ सेवा प्रमुख चंद्रकांत के द्वारा किया गया सड़क का निर्माण गो सेवक हेमंत शर्मा द्वारा करवाया जा रहा है इस अवसर पर गो वन सेवा धाम के गो पुत्र हरमेश जिंदल, सत्यनारायण गुप्ता ,डॉक्टर रणधीर, रवि शर्मा ,डॉ.अशोक महावीर, डॉक्टर शिवा तथा गो वन के सभी कर्मचारी अधिकारी उपस्थित रहे

सार्थक राजकीय इंटिग्रेटिड मॉडल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सेक्टर 12ए का 10वीं और 12वीं का परिणाम रहा शानदार

हरियाणा/चंडीगढ़,। सार्थक राजकीय इंटिग्रेटिड मॉडल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सेक्टर 12ए के शैक्षणिक सत्र 2022-23 का 10वीं और 12वीं कक्षा का परीक्षा परिणाम शानदार रहा।

सार्थक राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सेक्टर 12ए के प्रिंसीपल पवन गुप्ता ने बताया कि 10वीं कक्षा में 158 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए जिसमें से 42 छात्रों ने 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए तथा 102 विद्यार्थियों ने 60 प्रतिशत से अधिक अंकों के साथ फस्ट डिवीजन हासिल की।

उन्होंने बताया कि 12वीं कक्षा में 205 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए जिसमें से 60 विद्यार्थियों ने 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए तथा 117 विद्यार्थियों ने 60 प्रतिशत से अधिक अंकों के साथ फस्ट डिवीजन हासिल की। उन्होंने बताया कि कक्षा 10वीं की बेदिका ने 96.4 प्रतिशत अंक प्राप्त किए जबकि रोहन राय ने 95.6 प्रतिशत तथा सानिया व आंचल ने 92 प्रतिशत अंक प्राप्त किए।

उन्होंने बताया कि कक्षा 12वीं की साईंस स्ट्रीम में शुभम ने 93.2 प्रतिशत, गीतांजलि गर्ग ने 89.6 प्रतिशत तथा निधि ने 88.4 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। इसी प्रकार कॉमर्स स्ट्रीम में अरचित शर्मा ने 90.6 प्रतिशत, सुरवीन ने 89.6 प्रतिशत तथा मयंक ने 88.2 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। आर्टस स्ट्रीम में नेहा ने 91.6 प्रतिशत, दिव्या ने 90.8 प्रतिशत तथा आशुतोष ने 90.6 प्रतिशत अंक प्राप्त किए।

हरियाणा बोर्ड 12वी रिजल्ट: सीनियर सैकेण्डरी (शैक्षिक) नियमित परीक्षार्थियों का परीक्षा परिणाम 81.65 फीसदी रहा है तथा स्वयंपाठी परीक्षार्थियों का परिणाम 52.44 फीसदी रहा

हरियाणा/चंडीगढ़,।

हरियाणा विद्यालय विद्यालय शिक्षा बोर्ड की फरवरी / मार्च 2023 में संचालित हुई सीनियर सैकेण्डरी (शैक्षिक) नियमित परीक्षार्थियों का परीक्षा परिणाम 81.65 फीसदी रहा है तथा स्वयंपाठी परीक्षार्थियों का परिणाम 52.44 फीसदी रहा है। बोर्ड अध्यक्ष व सचिव ने सभी छात्र-छात्राओं को उनके बेहतर परीक्षा परिणाम के लिए हार्दिक बधाई दी। परीक्षार्थी अपना परीक्षा परिणाम आज सायं बोर्ड की अधिकारिक वेबसाईट www.bseh.org.in पर देख सकते हैं। इस परीक्षा परिणाम की घोषणा बोर्ड अध्यक्ष डॉ० वी. पी. यादव एवं बोर्ड सचिव श्री कृष्ण कुमार, ह.प्र.से. ने संयुक्त रूप से आज यहाँ बोर्ड मुख्यालय पर आयोजित एक प्रेस कांफ्रेंस को सम्बोधित करते हुए की।

उन्होंने आगे बताया कि तीनों संकाय में प्रथम स्थान पर रही छात्रा भैंसी, नव भारत सीनियर सैकेण्डरी स्कूल, सिवानी मंडी, भिवानी ने 498 अंक प्राप्त किए। छात्रा जसमीत कौर, संत निक्का सिंह पब्लिक स्कूल, निर्मल धाम, करनाल ने 497 अंक प्राप्त करके द्वितीय स्थान हासिल किया है तथा कनुज, न्यू रॉयल सीनियर सैकेण्डरी स्कूल, जहांगीरपुर, झज्जर व मानसी सैनी, सैनी कन्या सीनियर सैकेण्डरी स्कूल, रोहतक तथा प्रिया, आर्य कन्या सीनियर सैकेण्डरी स्कूल, उकलाना मंडी, हिसार ने 496 अंक अर्जित करके तीनों छात्राओं ने तृतीय स्थान प्राप्त किया है।

बोर्ड अध्यक्ष ने बताया कि सीनियर सैकेण्डरी (शैक्षिक) परीक्षा में 2,57, 116 परीक्षार्थी प्रविष्ठ हुए थे, जिनमें से 2,09,933 उत्तीर्ण हुए तथा 47, 183 परीक्षार्थी अनुत्तीर्ण रहे। इस परीक्षा में 1,25,696 प्रविष्ठ छात्राओं में से 1,09,491 पास हुई, इनकी पास प्रतिशतता 87.11 रही, जबकि 1,31,420 छात्रों में से 1,00,442 पास हुए, इनकी पास प्रतिशतता 76.43 रही। इस प्रकार छात्राओं ने छात्रों से 10.68 फीसदी ज्यादा पास प्रतिशतता दर्ज कर बढ़त हासिल की है।

डॉ. यादव ने आगे बताया कि इस परीक्षा में राजकीय विद्यालयों की पास प्रतिशतता 80.66 रही तथा प्राईवेट विद्यालयों की पास प्रतिशतता 83.23 रही है। इस परीक्षा में ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों की पास प्रतिशतता 83.51 रही है, जबकि शहरी क्षेत्र के विद्यार्थियों की पास प्रतिशतता 77.70 रही है।

उन्होंने बताया कि सोनियर सैकेण्डरी परीक्षा के स्वयंपाठी परीक्षार्थियों का परिणाम 52.44 इस परीक्षा में 3,587 परीक्षार्थी प्रविष्ठ हुए जिनमें से 1,881 पास हुए।

प्रतिशत रहा है।

बोर्ड सचिव श्री कृष्ण कुमार, ह.प्र.से. ने बताया कि यह परिणाम आज सायं से संबंधित विद्यालयों/संस्थाओं द्वारा बोर्ड की वेबसाईट पर जाकर अपनी यूजर आईडी व पासवर्ड द्वारा लॉगिन करते हुए डाऊनलोड भी किया जा सकेगा। कोई विद्यालय अगर समय पर परिणाम प्राप्त नहीं करता है तो इसके लिए वह स्वयं जिम्मेवार होगा। उन्होंने बताया कि स्वयंपाठी परीक्षार्थी अपना अनुक्रमांक अथवा नाम, पिता का नाम, माता का नाम व जन्म

तिथि भरते हुए परीक्षा परिणाम देख सकते हैं। विद्यालयी परीक्षार्थी भी अपना परिणाम अनुक्रमांक व जन्म तिथि भरते हुए देख सकते हैं। किसी भी प्रकार की तकनीकी खराबी / त्रुटि के लिए बोर्ड कार्यालय जिम्मेवार नहीं होगा। बोर्ड सचिव ने बताया कि इन परीक्षा परिणामों के आधार पर जो परीक्षार्थी अपनी उत्तरपुस्तिकाओं की पुनः जाँच अथवा पुनर्मूल्यांकन करवाना चाहते हैं तो वे निर्धारित शुल्क सहित परिणाम घोषित होने की तिथि से 20 दिन तक ऑनलाईन आवेदन कर सकते हैं।

पतंजलि द्वारा सहयोग शिक्षक प्रशिक्षण शिविर का आरंभ

हरियाणा/चंडीगढ़,।

पतंजलि के तत्वावधान में और प्रातः स्मरणीय स्वामी रामदेव जी और आचार्य बाल कृष्ण जी के आशीर्वाद से आज 15 मई 2023 से 15 जून 2023 समय सुबह 5:00 से 6:30 तक ऑनलाइन और ऑफलाइन सहयोग शिक्षक प्रशिक्षण शिविर राजकीय प्राथमिक पाठशाला सेक्टर 20 पंचकूला में महिला पतंजलि योग समिति चंडीगढ़, भारत स्वाभिमान न्यास सेंट्रल पंचकूला, युवा भारत और पतंजलि योग समिति की ओर से मिलकर लगाए गए इस शिविर के मुख्य अतिथि *श्री योगिंदर क्षत्रा*, मंत्री,आर्य समाज, सेक्टर 20 पंचकुला व समाजसेवी व पार्षद पद के उमीदवार रहे वार्ड 14 पंचकूला से,द्वारा दीप प्रज्वलन किया,तालियों की गड़गड़ाहट से श्री प्रेम अहूजा प्रभारी पंचकूला मंडल, श्रीमती सुधा राणा महिला राज्य प्रभारी श्रीमति पूनम सिन्हा सह राज्य प्रभारी, कुलदीप ठाकुर, सत्यपाल सिंह, उमेश मित्तल जिला प्रभारी श्री मुकेश अग्रवाल, श्रीमती कृष्णा सहारन, विजया ढांडा, सुमन लेखी, नीता सूद, सुमन बाला, पम्मी कोहली(ऑनलाइन), सुधा सूद, कविता अग्रवाल, अंतिम कुमारी ,मधुमिता और अन्य योग शिक्षक भाई बहनों की उपस्थिति में दीप प्रज्वलन करके शुभ आरंभ किया ।

शिविर के पहले दिन 64 योग शिक्षकों ने ऑनलाइन और ऑफलाइन शिविर को अटेंड किया । सुधा राणा जी ने मंत्र उच्चारण के बाद वार्मिंग अप के साथ सूर्य नमस्कार का अभ्यास अद्भुत विधि से करवाया इसके बाद श्रीमती पूनम जी ने भस्त्रिका प्राणायाम और कपालभाति प्राणायाम करवाए और बताया की जिन्हें हाई ब्लड प्रेशर की शिकायत है वे धीरे-धीरे करें और बा' प्राणायाम, अग्निसार क्रिया तथा उज्जाई प्राणायाम करवाते हुए उन्होंने बताया कि जिन्हें स्पोंडिलाइटिस की शिकायत है वह गर्दन आगे न झुकाएं। कहने का तात्पर्य यह है कि उन्होंने बड़ी गहराई से प्राणायाम और आसनों का अभ्यास कराया ताकि नए बन रहे योग शिक्षक दूर दूर तक आसन और प्राणायाम को गहराई से सीख कर सहयोग शिक्षक बनें और भारतवर्ष के हर नागरिक के स्वास्थ्य को सुदृढ़ बना सकें ।

शांति पाठ के साथ आज के पहले दिन के सत्र का समापन किया गया और सहयोग शिक्षकों ने अपने शरीर में एक नई स्फूर्ति और चेतना का संचार महसूस किया।

हिम एकता शिक्षा अवार्ड से ट्राइसिटी के मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान अभियान प्रारंभ

हरियाणा/चंडीगढ़, ।

हिम एकता वेलफेयर महासंघ रजि द्वारा ट्राईसिटी के हिमाचली मेधावी विद्यार्थियों को विशेष रूप से हिमाचली टोपी, सिद्ध बाबा जी का स्मृति चिन्ह, 2100रु सम्मानित राशि पंचकूला सेक्टर 15 से समाजसेवी उमेश शर्मा की सुपुत्री राशिका शर्मा तथा चंडीगढ़ सेक्टर 22 का निवासी रक्षत शर्मा सुपुत्र आरके विक्रमा को फाउंडर कमेटी की अध्यक्षा श्रीमती मीना शर्मा व ट्राइसिटी अध्यक्ष ने हिमाचली टोपी, स्मृति चिन्ह, सम्मानित राशि देकर हौसला अफजाई की ।

ट्राइसिटी अध्यक्ष विक्रांत शर्मा- तथा वित सचिव सुशील पंडित तथा संगठन सचिव विनोद शर्मा ने बताया कि ट्राईसिटी में रहा रहे हिमाचल प्रवासियों के बच्चों को, जिन बच्चों ने अभी हाल ही में आए 10+2 तथा दसवीं के रिजल्ट में हिमाचली मेधावी छात्र 90% से अंक ज्यादा लिए हैं उन्हें विशेष रूप से सम्मानित किया जा रहा है। जिसमें आज पंचकूला सेक्टर 15 की निवासी व केवी डीएवी सेक्टर-7 स्कूल चंडीगढ़ की +2की मेधावी छात्रा रिशिका शर्मा तथा

चंडीगढ़ स्थानीय गवर्नमेंट मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेक्टर 46 की सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन की प्लस टू की परीक्षा में रक्षत शर्मा पुत्र मोनिका शर्मा व आरके विक्रमा शर्मा ने 92% अंक लेकर परीक्षा उत्तीर्ण की है। महासंघ ने स्मृति चिन्ह और सम्मानित नगद राशि सहित हिमाचली पारम्परिक पहाड़ी टोपी पहनाकर प्रोत्साहित और पुरस्कृत किया ।

"परिवर्तन पदयात्रा आपके द्वार" का सोमवार को 74वां दिन

मुख्यमंत्री पर सत्ता का घमंड सिर चढ़ कर बोल रहा है: अभय सिंह चौटाला

कहा - मुख्यमंत्री जिस तरह की अभद्र भाषा का प्रयोग कर रहे हैं उससे यह प्रतीत होता है कि वे मानसिक रूप से परेशान हैं

हरियाणा/चंडीगढ़,।

इनेलो की ''परिवर्तन पदयात्रा आपके द्वार'' सोमवार को 74वें दिन में प्रवेश कर गई। जिला भिवानी के बवानीखेड़ा विधानसभा क्षेत्र के गांवों में जैसे ही इनेलो की पदयात्रा पहुंची तो ग्रामीणों ने इनेलो के प्रधान महासचिव अभय सिंह चौटाला के समर्थन में जोरदार शंखनाद किया। अभय चौटाला ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा गठबंधन की यह सरकार अब थोड़े दिनों की मेहमान रह गई है। आगामी चुनावों में देश और प्रदेश से भाजपा का सफाया निश्चित है। उन्होंने कहा कि भाजपा और कांग्रेस दोनो ही पार्टियां स्वार्थ की राजनीति करती हैं लेकिन हमने हमेशा लोकहित की राजनीति की है और जो लोकहित की बात करेगा, वही जनता का राज करेगा। इनेलो नेता ने सिरसा में मुख्यमंत्री के जनसंवाद कार्यक्रम पर तंज कसते हुए कहा कि मुख्यमंत्री लोगों की जो जायज मांगें हैं उनको तो अनसुना कर रहे हैं और सिर्फ उन्ही की बातें सुन रहे हैं जो उनके अनुकूल होती हैं और जिन्हे पहले से चिह्नित किया जाता है। असल में मुख्यमंत्री को जनता की समस्याओं से कोई लेना-देना नहीं है, बस जनसंवाद के नाम पर सिर्फ जनता की आंखों में धूल झोंकने का काम कर रहे हैं।

इनेलो नेता ने कहा कि मनोहर लाल खट्टर लोगों के साथ जिस तरह की अभद्र भाषा का प्रयोग कर रहे हैं वह बेहद निंदनीय है। उनकी भाषा से यह प्रतीत होता है कि मुख्यमंत्री मानसिक रूप से परेशान हैं। मुख्यमंत्री पर सत्ता का घमंड सिर चढ़ कर बोल रहा है। खैरकां गांव में जब किसानों ने अपनी बात रखनी चाही तो उन पर लाठीचार्ज करवा दिया। यही नहीं मुख्यमंत्री ने एक व्यक्ति को सभा से बाहर उठा कर फैंकने और उसे पीटने तक का फरमान सभी के सामने सुना दिया। 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' का नारा देनी वाली भाजपा आज बेटियों पर अत्याचार कर रही है। सिरसा के बणी गांव में मुख्यमंत्री के आदेशों पर महिला सरपंच को बड़ी बेशर्मी के साथ धक्के दे कर मंच से नीचे उतार दिया गया। महिला पहलवान न्याय के लिए धरने पर बैठी हैं और उनके बारे में भी मुख्यमंत्री ओछी टिप्पणी कर चुके हैं। वहीं प्रदेश की बेटी जूनियर कोच को लगातार प्रताड़ित किया जा रहा है और उसे न्याय देने के बजाय जान से मारने तक की धमकियां दी जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता को इस जनविरोधी शासन से छुटकारा दिलाने के लिए ही यात्रा शुरू की है। परिवर्तन की यह हवा हरियाणा से शुरू हुई है और इसका पूरा असर देश की राजनीति पर भी पड़ेगा। उन्होंने ग्रामीणों द्वारा किए गए इस स्वागत के प्रति आभार जताते हुए कहा कि इनेलो पहले की तुलना में अधिक मजबूत हुई है और पार्टी का हर कार्यकर्ता बड़े जोश के साथ पार्टी के लिए जमीनी स्तर पर काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि इनेलो बदलाव के इस समय में एक नया इतिहास रचेगी। प्रदेश के लोग इनेलो को सत्ता की चाबी सौंपने के लिए विधानसभा चुनाव का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। विस चुनाव के बाद प्रदेश में भाजपा का कोई नामलेवा तक नहीं रहेगा।

रायपुररानी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 18 मई को मेंटल हेल्थ ट्रीटमेंट कैंप का आयोजन किया जाएगा

हरियाणा/चंडीगढ़,। रायपुररानी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के वरिष्ठ चिकित्सक डाक्टर संजीव गोयल ने बताया कि हरियाणा सरकार के आदेशानुसार दिनांक 18 मई 2023 को सी एच सी रायपुर रानी में मेंटल हेल्थ ट्रीटमेंट कार्यक्रम के तहत कैंप का आयोजन किया जाना है। इस कैंप में पंचकुला से डॉ MP Sharma (Psychiatrist) Ms Anu Bansal (CP) Ms. Ankita (PSW) की टीम द्वारा लोगों को इस कैंप में मेंटल हेल्थ से सम्बंधित जानकारी और ट्रीटमेंट दिया जायेगा । इसलिए ज्यादा से ज्यादा पहुंचकर इस कैंप का लाभ उठाये ।

तुर्किये में 28 मई को फिर राष्ट्रपति चुनाव:कल हुए इलेक्शन में किसी को बहुमत नहीं, भारत विरोधी एर्दोगन को कमाल गांधी ने रोका

तुर्किये में रविवार को हुए राष्ट्रपति चुनाव के नतीजे आ गए हैं। जनता ने किसी भी पार्टी को बहुमत नहीं दिया है। कश्मीर मामले में पाकिस्तान का समर्थन करने वाले रेसेप तैयप एर्दोगन की पार्टी अङढ को 49.4% वोट मिले। वहीं, तुर्किये के गांधी कहे जाने वाले कमाल केलिकदारोग्लू की पार्टी उलढ को 45.0% वोट मिले हैं। जबकि सत्ता में आने के लिए किसी भी पार्टी को 50% से ज्यादा वोट मिलने चाहिए।

तुर्किये में फरवरी में आए भूकंप के 3 महीने बाद ये चुनाव हुआ था। भूकंप में 50 हजार से ज्यादा लोगों की जान गई थी। अलजजीरा के मुताबिक लोगों ने इसका जिम्मेदार 20 साल से सत्ता में बैठे राष्ट्रपति एर्दोगन को ठहराया था।

तुर्किये में पहले राउंड में किसी भी पार्टी को बहुमत नहीं मिलने की वजह से 28 मई को दोबारा वोटिंग होगी। जिसमें अभी 2 हफ्ते हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक एर्दोगन इन 14 दिनों का इस्तेमाल अपने वोटर्स को मनाने में करेंगे। वो 11 साल तक तुर्किये के प्रधानमंत्री और 9 साल तक राष्ट्रपति रहे हैं।

ये नतीजे 20 साल में उनके प्रदर्शन के रिजल्ट के तौर पर देखे जा रहे हैं। 2011 में भ्रष्टाचार मिटाने और अर्थव्यवस्था को बेहतर करने के वादे के साथ सत्ता में आए एर्दोगन अब लगातार डूबती अर्थव्यवस्था वाले देश के राष्ट्रपति हैं। जिन पर लोकतंत्र को कमजोर करने के आरोप लगते हैं।

नतीजों से पहले दोनों पार्टियों ने जीत का दावा किया था। एर्दोगन ने समर्थकों से कहा- मतदान पेटियों की हिफाजत करें और उन पर नजर रखें। हमें नतीजों का इंतजार है। काउंटिंग के शुरूआती रुझानों में एर्दोगन की पार्टी को 60% वोट मिल रहे थे। जो बाद में पिछड़ते चले गए।

वहीं, मुख्य विपक्षी पार्टी के नेता कमाल ने नतीजों में कड़ी टक्कर के चलते कहा था- मेरे साथियों आज रात हम सोएंगे नहीं। नतीजों में किसी पार्टी को पूर्ण बहुमत नहीं मिलने के बाद कमाल ने कहा कि जनता ने साबित किया है कि वो बदलाव चाहती है।

फरवरी में आए भूकंप का 11 शहरों पर सबसे ज्यादा असर पड़ा था। इनमें 8 शहरों को एर्दोगन का गढ़ माना जाता है। जहां पिछले 2 चुनावों में उन्हें 60% से ज्यादा वोट मिले थे। रविवार को हुए चुनाव में भी बहुत कुछ नहीं बदला। 8 में से 5 शहरों में एर्दोगन के केवल 2 से 3% वोट घटे, जबकि बाकी 3 में कोई बदलाव नहीं हुआ। भूकंप का केंद्र रहे गाजियांटेप शहर में एर्दोगन की पार्टी को 59% वोट मिले हैं।

तुर्किये की 2 अहम पार्टियों के अलावा इस चुनाव में नए उम्मीदवार सिनान ओगन की पार्टी (अळअ अलायंस) ने भी 5% से ज्यादा वोट हासिल किए। जो अब एर्दोगन और कमाल को सत्ता में लाने के लिए भूमिका निभाएंगे। अलजजीरा के मुताबिक उन्हें दोनों मुख्य पार्टियां अपनी ओर लाने की पूरी कोशिश करेंगी।

हालांकि, उनके एर्दोगन की तरफ जाने की उम्मीद ज्यादा है। इसकी अहम वजह ये है कि वो पहले भी एर्दोगन के समर्थन वाले अङ गठबंधन का हिस्सा रहे हैं। उन धुर दक्षिण पंथी होने की वजह से 2015 में नेशनलिस्ट मूवमेंट पार्टी ने उन्हें बाहर कर दिया था। तुर्किये में रह रहे लाखों सीरियाई शरणार्थियों पर उनके विवादित बयानों को दुनिया भर में आलोचनाएं होती हैं।

तुर्किये की 600 सीटों वाली संसद में प्रवेश के लिए एक पार्टी के पास 7% वोट होना जरूरी है। या फिर पार्टी किसी ऐसे गठबंधन का हिस्सा हो जिसके पास वोटों की जरूरी संख्या मौजूद हो। तुर्किये में एक व्यक्ति सिर्फ 2 टर्म तक ही राष्ट्रपति रह सकता है।

एर्दोगन के 2 टर्म पूरे हो चुके हैं, लेकिन 2017 में राष्ट्रपति के अधिकारों से जुड़ा एक रेफरेंडम लाया गया था, जिसकी वजह से उनका पहला कार्यकाल जल्दी खत्म हो गया था। इसी वजह से एर्दोगन को तीसरी बार चुनाव लड़ने की इजाजत मिल गई है।

चुनाव जीतने के लिए एक उम्मीदवार को 50% वोट हासिल करना जरूरी है। तुर्किये में 36 लाख लोग रिफ्यूजी हैं जो 2011 में सीरिया में सिविल वॉर शुरू होने के बाद यहां आ गए थे। यहां हर नागरिक का वोट डालना जरूरी है। हालांकि वोट नहीं डालने पर जुर्माने का कोई स्ट्रक्चर नहीं बताया गया है। 2018 के चुनाव में यहां 86% वोटिंग हुई थी।

'लव जिहाद' के घात पर योगी सरकार का कुठाराघात

'लव' के शर्बत में जब 'जिहाद' का जहर मिल जाए तो उसका दर्दनाक और जानलेवा हो जाना लाज़मी है। इस 'लव जिहाद' के जहर की तासीर कुछ ऐसी होती है कि बेबसी, बदनामी, घुटन, टूटन, तड़पन और आंसुओं के सैलाब में डूबती-उतराती मजबूर जिंदगी आखिरकार मौत की दहलीज़ पर दम तोड़ देती है।

राष्ट्रद्रोही और इंसानियत के विरोधी इस 'जिहादी जहर' से उत्तर प्रदेश को बचाने के लिए मुख्यमंत्री योगी ने साल 2020 में ही 'उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध संपरिवर्तन प्रतिषेध अध्यादेश-2020' को लागू कर दिया था। उसका ही परिणाम है कि प्रदेश की 185 पीड़ित महिलाओं को न्यायालय के समक्ष अपने जबरन धर्म परिवर्तन करवाए जाने की बात कहने का अवसर मिल सका। वहीं नाबालिगों के कन्वर्जन के अब तक 65 मामले दर्ज किए गए हैं।

दुर्भाग्य है कि ये अवसर, श्रद्धा, निकिता तोमर, नेशनल शूटर तारा सहदेव, आराधना जैसी हज़ारों लड़कियों को नहीं मिल पाया। उन्हें जिहादी जहर ने बड़ी ही बेदर्दी से लील लिया।

मजहबी कट्टरता की कोख से जन्मे 'लव जिहाद' की तपिश से कराहती मानवता की दर्दनाक चीख 'द केरल स्टोरी' से यह मुद्दा पुन: विमर्श का केंद्र बन गया है। दरअसल मतांतरण के माध्यम से राष्ट्रांतरण की कुत्सित चेष्टा आज से नहीं सदियों पुरानी है। लोभ, कपट, झूठ और भय उसके बड़े हथियार हैं।

इस्लामी आंक्राताओं ने छल, बल और जबरन धर्मांतरण से भारत को दारुल इस्लाम बनाने की पूरी कोशिश की। लेकिन जबरदस्त प्रतिरोध के कारण वे अपने मंसूबों में नाकामयाब रहे। उसके बाद इसाई मिशनरियों ने भी यही कार्य किए। उद्देश्य उनका भी भारत को 'होली लैण्ड' बनाना था बस शैली इस्लामी आंक्राताओं से थोड़ी जुदा थी। देश और समाज को 'संस्कृति परिवर्तन' के माध्यम से अस्थिर करने की कोशिशें आज भी जारी हैं।

हम देख सकते हैं कि रणबांकुरे, योद्धा जनजातियों की भूमि नार्थ ईस्ट आज 'क्रिस्तान' बन अलगाव की आग में तप रही है तो दुनिया को इस्लामिक आग को शोलों में जला रहा 'जिहाद' का मायावी मारीच 'लव जिहाद' का रूप धर देश की बेटियों की जिंदगी को बर्बाद कर रहा है।

जबरन धर्मांतरण का सबसे घृणित, अमानवीय और स्त्री विरोधी स्वरूप है 'लव जिहाद'। अफसोस है कि अब इस वीभत्स कार्य में पुरुषों के साथ-साथ महिलाएं भी शामिल हैं। सार्वजनिक स्थल से लेकर वर्चुअल दुनिया तक पूर्ण नियोजन के साथ शिकार की तलाश होती है। कभी शकील 'शिवम' बनकर आता है तो कभी साहिल 'सेकुलर' चोले में। केरल से कश्मीर तक और कामरूप से कन्याकुमारी तक यही स्थिति है।

आजाद भारत में यह आग दिन पर दिन फैल ही रही थी कि 'उ.प्र. विधि विरुद्ध संपरिवर्तन प्रतिषेध अध्यादेश-2020' के माध्यम से अनुचित तरीकों से 'धर्म परिवर्तन' द्वारा देश और समाज को अस्थिर करने की कुचेष्टओं को संचालित करने वाले तंत्र पर योगी सरकार ने 'विधिक सर्जिकल स्ट्राइक' कर सबको अंचभित कर दिया।

राष्ट्रद्रोही और इंसानियत के विरोधी इस 'जिहादी जहर' से उत्तर प्रदेश को बचाने के लिए मुख्यमंत्री योगी ने साल 2020 में ही 'उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध संपरिवर्तन प्रतिषेध अध्यादेश-2020' को लागू कर दिया था।

इससे प्रेरित होकर अनेक राज्यों ने अपने यहां अवैधानिक धर्मांतरण कानून को लागू किया। यह कानून, धर्म की आड़ में षड़यंत्र करने वालों के मंसूबों को परिणामदायक प्रहार है। अब मिथ्या निरूपण, बल, असम्यक प्रभाव, प्रलोभन या कपट पूर्ण माध्यम द्वारा धर्मपरिवर्तन का कृत्य संज्ञेय एवं गैर जमानती अपराध है। धर्म परिवर्तन के उद्देश्य से ही विवाह किया गया था, यह प्रमाणित होने पर विवाह को शून्य मान लिया जाएगा।

सबसे अच्छी बात तो यह है कि 'उ.प्र. विधि विरुद्ध संपरिवर्तन प्रतिषेध अध्यादेश-2020' पूर्णत: सभी धर्मों पर समान रूप से लागू होता है, जिसके कारण भारत का पंथनिरपेक्ष स्वरूप और मजबूत होता है। यह कानून मौजूदा हालातों की जरूरत है।

गौरतलब है कि लव जिहाद या रोमियो जिहाद की अवधारणा भारत में साल 2009 में पहली बार केरल और उसके बाद कर्नाटक के कैथोलिक ईसाइयों के शोर के बाद राष्ट्रीय ध्यानाकर्षण का सबब बनी थी। उनका दावा था कि लगभग 4000 बेटियों को प्रलोभन देकर या डरा कर मुसलमान बना लिया गया है। कुछ मामले उच्च न्यायालय और सुप्रीम कोर्ट में भी चले थे।

केरल उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति के.टी. शंकरन ने जबरदस्ती धर्मांतरण की बात को स्वीकार भी किया था। सरकारी जांच एजेन्सियों ने अपनी विवेचना में यह पाया था कि कुछ इस्लामी संगठन बाकायदा धर्म-परिवर्तन (तगय्युर) की मुहिम चलाए हुए हैं। इस मुहिम को एक आंदोलन का रूप देने की कोशिश लगातार की जा रही है।

विदित हो कि राम और कृष्ण की पावन धरा पर न तो कभी प्रेम वर्जित था न ही प्रेम विवाह। लेकिन प्रेम की आड़ में धर्म परिवर्तन के षड़यंत्र को भला कैसे स्वीकार किया जा सकता है? 'रहमान' के 'रमेश' बनकर प्रेम जाल बुनने की घटनाएं तो जब-तब अखबार की सुर्खियां बनती ही रहती हैं। यह एक वृहद सुनियोजित संगठनात्मक षड़यंत्र का हिस्सा है।

दरअसल मुस्लिम शादियां शरीयत के अनुसार होती हैं, जिनमें वर और कन्या दोनों का मुस्लिम होना अनिवार्य होता है, अत: शादी के समय धर्मांतरण स्वाभाविक रूप से हो जाता है। लेकिन यदि शादी के लिए मजहब बदलना पड़े तो फिर उसे अंतरधार्मिक विवाह कैसे कहा जा सकता है? इलाहाबाद हाई कोर्ट ने एक आदेश में कहा है कि 'शादी-ब्याह के लिए धर्म-परिवर्तन आवश्यक नहीं है। यह वैध नहीं है।' कुछ ऐसे ही विचार राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के भी थे, जब इंदिरा गांधी की शादी फिरोज गांधी से हो रही थी, तब उन्होंने कहा था कि शादी के लिए धर्म परिवर्तन की जरूरत नहीं है।

पीड़ा यहीं से शुरू होती है। जब तक पीड़िता को मालूम होता है कि उसके साथ सुनियोजित छल हुआ है तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। अब धर्मांतरण ही एक मात्र विकल्प होता है। उसके बाद भी अपमान, प्रताड़ना और पश्चाताप के अंतहीन अंधेरे पीछा नहीं छोड़ते। यदि पीड़िता ने धर्मांतरण से इंकार कर दिया तो बेरहम कत्ल तोहफे में मिलता है। सारी समस्या, अपने मजहब को सर्वोत्तम मानने के साथ ही उसे दूसरों को भी मनवाने की जिद और जद्दोजहद से शुरू होती है। सुन्नत और फर्ज जैसे लफ्जों के 'दीनी वर्क' में लिपटे होने के कारण जबरन धर्मांतरण के लिए अमानवीयता की हदें लांघने में भी गुरेज नहीं किया जाता है।

खैर, यूपी में योगी सरकार की सक्रियता और गंभीरता के कारण इस पर काफी हद तक लगाम लगी है। विदित हो कि 'उ.प्र. विधि विरुद्ध संपरिवर्तन प्रतिषेध अध्यादेश-2020' के अंतर्गत दिनांक 27-11-2020 से 30-04-2023 तक कुल 433 पंजीकृत अभियोगों में 1229 लोग नामजद हुए, 855 लोग गिरफ्तार हुए और 339 मामलों में आरोप पत्र भी दाखिल हो गए हैं। सख्त कानूनी कार्यवाहियों ने जिहादी जहर के सौदागरों के मन में डर तो पैदा किया है।

काबिल-ए-गौर है कि यह समस्या पूरे देश की है किंतु इसके निदान हेतु परिणामदायक पहल मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा की गई। यही नायकत्व है। लव जिहाद से प्रदेश की बेटियों को बचाने के लिए मुख्यमंत्री योगी के अभिभावकत्वपूर्ण प्रयासों को तो दुनिया में दिल खोल के सराहना मिल रही है, जिहादी जहर से पीड़ित बेटियों के जीवन में इंसाफ और आत्मविश्वास का प्रकाश फैल रहा है।

लेकिन सारी जिम्मेदारी सरकार की नहीं है। अपने धर्म, संस्कृति, संस्कार और परम्पराओं को प्रति बच्चों को जागृत करना, उनके अंदर गौरव बोध उत्पन्न करना परिवार का दायित्व है। यह युद्ध वास्तविक और आभासी दुनिया दोनों जगहों पर लड़ा जा रहा है। योगी सरकार मोर्चे पर डटी है समाज को भी पूरी तरह सहभागी बनना ही होगा। ध्यान रहे, जो तटस्थ हैं, समय लिखेगा उनके भी अपराध।

दैनिक पंचांग

16 मई 2023 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	वृष	05.20 बजे से
चंद्र	मीन में	मिथुन	07.18 बजे से
मंगल	कर्क में	कर्क	09.31 बजे से
बुध	मेष में	सिंह	11.48 बजे से
गुरु	मेष में	कन्या	13.59 बजे से
शुक्र	मिथुन में	तुला	16.10 बजे से
शनि	कुंभ में	वृश्चिक	18.25 ब.से
राहु	मेष में	धनु	20.41 बजे से
केतु	तुला में	मकर	22.46 बजे से
राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक		कुंभ	00.33 बजे से
		मीन	02.05 बजे से
		मेष	03.36 बजे से

मंगलवार 2023 वर्ष का 136 वां दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** ग्रीष्म।
वक्रम संवत् 2080 **शक संवत्** 1945
मास ज्येष्ठ (दक्षिण भारत में वैशाख) **पक्ष** कृष्ण
तिथि द्वादशी 23.37 बजे को समाप्त।
नक्षत्र उत्तराभाद्रपदा 08.15 बजे को समाप्त। **योग** प्रीति 23.15 बजे को समाप्त। **करण** कौलव 12.18 बजे तदनन्तर तैतिल 23.37 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 24.8 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 18° 59'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871615
जूलियन दिन 2460080.5
कलियुग संवत् 5123
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2549
हिजरी सन् 1444
महीना सव्वाल
तारीख 25

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

आपका राशिफल 16 मई

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर करेंगे। शुभांक-2-5-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधनों में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-2-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। आलस्य का त्याग करे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-1-4-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभांक-2-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। शुभांक-3-5-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि व अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। आगे से रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिलेगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य ती यू): समाज में मान-सम्मान मिलेगा। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-1-3-5

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें। संतान की उन्नति के योग हैं। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रही अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। शुभांक-1-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): सुख-आनंददायी समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य के लिए समय अच्छा रहेगा। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-1-3-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

मार्ग-दर्शन

चंद्रशेखर आजाद का संकल्प

गांधीजी ने १९२१ में अंगरेजों के विरुद्ध 'सविनय अवज्ञा आंदोलन' चलाया। अंगरेजों और उनकी वस्तुओं का बहिष्कार किया गया। आंदोलन देश भर में फैल गया था। बनारस की घटना है। आंदोलन से विद्यार्थी भी अछूते न रहे। एक दिन बनारस में कुछ विद्यार्थी 'भारत माता की जय' का नारा लगाते हुए जुलूस की शक्ल में जा रहे थे। उनका नेतृत्व एक पंद्रह वर्षीय छात्र चंद्रशेखर कर रहा था। देशभक्ति के जोश से भरे इन युवकों के सामने अचानक पुलिस आ गई और सभी को हथकड़ी लगाकर अदालत ले गई। चूंकि नेता चंद्रशेखर था, इसलिए सर्वप्रथम पूछताछ भी उसी से हुई। चंद्रशेखर से जज ने पूछा-'तुम्हारा नाम क्या है?' चंद्रशेखर नेनिर्भीकता से जवाब दिया-'आजाद।' अगला प्रश्न जज ने किया 'तुम्हारे पिता का नाम क्या है?' चंद्रशेखर ने गर्व से सिर उठाकर कहा- 'स्वतंत्र।' जज ने झुंझलाकर इस बार पूछा- 'तुम्हारा घर कहां है?' चंद्रशेखर ने बिना डरे कहा- 'जेल।' अब तो जज आपे से बाहर हो गया। उसने चंद्रशेखर को बेंत लगाने का आदेश दिया। पुलिस ने बेंत मार-मारकर चंद्रशेखर को लहूलुहान कर दिया, किंतु वह 'भारत माता की जय' बोलता रहा। अंतिम बेंत के बाद वह बेहोश हो गया। जब होश आया, तो चोट की कोई परवाह किए बगैर 'भारत माता की जय' का नारा लगाकर घर की ओर चल दिया। उसके साहस और देश भक्ति के जज्बे की सराहना स्वरूप उसका नागरिक अभिनंदन किया गया। आगे चलकर उसी चंद्रशेखर आजाद ने देश को स्वतंत्र कराने में अप्रतिम योगदान दिया। जब मन में अच्छे उद्देश्यों के लिए समर्पण भाव प्रबल हो, तो तन हर कष्ट सह जाता है। राष्ट्र के संदर्भ में यह आत्म बलिदान की अंतिम सीमा तक जाता है।

आगे की चुनौतियां

कर्नाटक में कांग्रेस को जैसी जीत मिली है, वह विपक्षी धड़े की राजनीति के लिए भी काफी मायने रखती है। हिमाचल प्रदेश की जीत ने कांग्रेस के गिरते मनोबल को कुछ सहारा जरूर दिया था, लेकिन उसमें ऐसा संदेश खोजना मुश्किल था, जिससे समूचे विपक्ष की गोलबंदी प्रभावित हो। कर्नाटक के साथ ऐसी बात नहीं है। इसने न केवल कांग्रेस के लिए राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' के पॉजिटिव असर को चुनाव नतीजों से जोड़ने का मौका मुहैया कराया है बल्कि कथित तौर पर धार्मिक प्रतीकों के चुनावी इस्तेमाल की कोशिशों पर भी पानी फेर दिया है। ये दोनों फैक्टर आने वाले दिनों में विपक्ष का नैरेटिव सेट करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। राहुल गांधी के बारे में यह बात कही जाती रही है कि चुनावी लड़ाई में पार्टी को उनके प्रयासों का ज्यादा फायदा नहीं मिल पाता। प्रकारांतर से यही बात भारत जोड़ो यात्रा के बारे में भी कही जा रही थी कि यात्रा को लोगों का समर्थन मिलना एक बात है और इस समर्थन का वोट में बदलना बिल्कुल अलग। कर्नाटक में जिन क्षेत्रों से भारत जोड़ो यात्रा गुजरी, उनमें कांग्रेस का अच्छा प्रदर्शन इस धारणा को बदलने में मदद कर सकता है। जहां तक दूसरे फैक्टर की बात है तो गुजरात में राहुल गांधी का खुद को शिवभक्त कहना या पार्टी जनों का उन्हें जनेऊधारी ब्राह्मण साबित करने की कोशिश करना विपक्ष की उस धारा को मजबूती देता था जिसकी दलील है कि बीजेपी के उग्र हिंदुत्व का जवाब सॉफ्ट हिंदुत्व ही हो सकता है।

इस सोच के साथ दिक्कत यह है कि इससे बीजेपी और उसके कथित विकल्प के बीच अंतर धुंधला पड़ता है। पिछले कुछ समय से राहुल गांधी ने 'आइडिया ऑफ इंडिया' के सहारे बीजेपी और संघ पर हमला करने की जो नीति अपनाई है, उसकी सफलता को लेकर विपक्ष के अन्य दलों में ही नहीं, कांग्रेस में भी आशंकाएं रही हैं। ताजा चुनाव परिणाम इन आशंकाओं को कम कर सकते हैं। हालांकि संपूर्णता में इन चुनावों को लोकल मुद्दों पर लोकल नेतृत्व में एकीकृत चुनाव अभियान की जीत ही कहा जाएगा, लेकिन फिर भी ये नतीजे कांग्रेस के अंदर राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को और विपक्षी खेमे के अंदर कांग्रेस को मजबूती देंगे। देखने वाली बात यह होगी कि जीत से मिली इस मजबूती का इस्तेमाल कांग्रेस नेतृत्व आगे कितनी कुशलता से कर पाता है। चुनावी नतीजों के बाद आई ममता बनर्जी जैसे नेताओं की सधी हुई प्रतिक्रिया इस बात की पुष्टि करती है कि कांग्रेस नेतृत्व को अभी कई अग्निपरीक्षाओं से गुजरना है। इसकी शुरुआत कर्नाटक में नए मुख्यमंत्री के चयन से ही हो गई है। पहली ही बैठक में सिद्दारमैया के नाम पर सहमति बनाकर पार्टी नेतृत्व ने निस्संदेह शुरुआत अच्छी की है, लेकिन आगे की राह भी कम जोखिम भरी नहीं है। या (वैकल्पिक आखिरी वाक्य) रविवार शाम की बैठक में विधायक दल के नेता का चयन न हो पाना बताता है कि इस जीत को संभालना और इसका आगे अपने पक्ष में इस्तेमाल करना कांग्रेस के लिए आसान नहीं साबित होने वाला।

जीने की राह

मन की आध्यात्मिक मांग पूरी करें

हमारे शरीर में दस इंद्रियां होती हैं। मेडिकल साइंस भले ही इन्हें महत्व न दे, उसके पास शरीर की लगभग हर बीमारी का इलाज भी हो सकता है, लेकिन रोग की एक सीमा के बाद चिकित्सा विज्ञान कह देता है कि अब हम कुछ नहीं कर सकेंगे। इसी लाचारी में अध्यात्म एक झलक दिखाता है और वह यह है कि हम अपनी इंद्रियों के प्रति जागरूक रहें। इन इंद्रियों से पैदा होने वाली बीमारियों का इलाज चिकित्सा विज्ञान से कराएं, लेकिन फिर भी इतनी जानकारी तो रखें कि ये बीमारियां आईं कहां से। दस इंद्रियों का एक राजा है मन। विज्ञान की दृष्टि से ढूंढ़ें तो शरीर में इसका कहीं पता नहीं लगेगा, लेकिन अध्यात्म की दृष्टि से इसे पाया जा सकता है। इस मन की चाहत कभी खत्म नहीं होती। कबीर ने टिह्वश्वपणी की है- मन राजा नायक भया, टांडा लादा जाय। है है है है है रही, पूंजी गयी बिलाय।। इंद्रियों का राजा मन व्यापारी बन गया और वह अपने विषय-भोग की सामग्री-सम्पत्ति गाड़ी में लादकर चल दिया। लोग उसे देखकर कह रहे हैं कि वाह! लाभ है, बहुत लाभ है और इससे मन बहुत खुश हो रहा है। परंतु वह मूढ़ है, इन विषय-भोग-ऐश्वर्यों के चक्कर में पड़कर, उसने मानव जीवन के सत्कर्मों की पूंजी तथा साधन-भजन खो दिया। मन नियंत्रित हो सकता है साधनभजन से। असल में उसे कुछ न कुछ तो चाहिए। उसकी मांग पूरी भी हमें ही करनी है। यदि उसे शून्य भी कर दें, तो भी वह खुश हो जाएगा। सक्रियता और निष्क्रियता उसकी मांग है। आप जो भी उसे देंगे, वैसा ही परिणाम आपको मिलेगा।

सार्वजनिक सुविधाएं सजावट का सामान नहीं होती हैं

बीते कुछ दिनों में मुम्बई के सिगनल्स रंग-बिरंगे हो गए हैं। इसका यह अर्थ नहीं कि सिगनल के सामान्य रंगों लाल, पीले और हरे को बदल दिया गया है। लेकिन सिगनल की दोनों साइड में लम्बी स्टिक्स जोड़ दी गई हैं, जिससे किसी बस या ट्रक के पीछे स्थित एक छोटे-से वाहन में बैठे ड्राइवर को भी वे रंग आसानी से दिखाई दे सकते हैं।

इससे न केवल पूरा जंक्शन सुंदर दिखने लगा है, बल्कि इसके कारण अब लोग यह बहाना भी नहीं बना सकते हैं कि उनकी गाड़ी एक भारी वाहन के पीछे खड़ी थी, इसलिए वे लाल बत्ती नहीं देख पाए थे। कई लोग ऐसे बहाने बनाकर ही सिगनल तोड़ते हैं।

यह अमूमन दोपहिया वाहन चालकों के साथ होता है, जो देश के हर शहर में इस तरह से व्यवहार करते हैं, मानो सिगनल की लाइट्स उन पर लागू नहीं होती हैं। जब अन्य वाहन रुके हुए हों, तब भी इन टू-व्हीलर्स को तेजी से निकलते देखा जा सकता है। वास्तव में, अनेक पैदल चलने वालों को इस बारे में पता नहीं होता कि ये टू-व्हीलर्स रेड सिगनल के बावजूद चले आ रहे हैं। वे यह सोचकर सड़क क्रॉस करते हैं कि वे सुरक्षित हैं, क्योंकि लालबत्ती पर सभी वाहन रुकते हैं। अचानक, ये टू-व्हीलर्स रॉन्ग साइड से आते हैं और पैदल चलने वालों के लिए खासी समस्याएं उत्पन्न कर देते हैं।

इससे मुझे पुर्तगाली आर्टिस्ट नूनो रोके की याद हो आई, जिन्होंने कहा था कि नियम तोड़ने का पहला नियम यह है कि आपको नियम के बारे में अच्छे-से पता हो। उन्होंने यह बात कुख्यात अपराधी अबू सलेम के लिस्बन में गिरफ्तार होने के सालों पहले कही थी।

सलेम को एक ट्रैफिक जंक्शन में रेड सिगनल तोड़ने पर पकड़ा गया था, जिसके बाद पुलिस ने पाया कि यह तो वही अपराधी है, जिसके लिए इंटरपोल का लुक-आउट नोटिस जारी हुआ है। अबू सलेम को नहीं पता था कि यह भारत नहीं है, जहां वह अनेक मर्तबा रेड-सिगनल तोड़कर आगे बढ़ गया था। पुर्तगाल दुनि

बीजेपी-जेजेपी गठबंधन मजबूत, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष से सकारात्मक रही चर्चा : दुष्यंत चौटाला

हरियाणा/चंडीगढ़,।

डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने कहा है कि बीजेपी-जेजेपी गठबंधन मजबूत है और इसमें कोई संशय नहीं है कि दोनों पार्टियों ने मिलकर एक अच्छा नेतृत्व प्रदेश को दिया है। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से हुई मुलाकात पर दुष्यंत चौटाला ने कहा कि हरियाणा में लोकसभा-विधानसभा, राजस्थान में विधानसभा के चुनाव आ रहे है, ऐसे में हमें आगे कैसे बढ़ना है, इन सभी विषयों पर चर्चा हुई है। उन्होंने कहा कि मुलाकात के दौरान सकारात्मक चर्चा हुई है और इसी तरह हम आगे बढ़ते रहेंगे। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि जननायक जनता पार्टी आज पूरे प्रदेश की सभी 90 सीटों पर खुद को मजबूत कर रही है। वे सोमवार को हिसार जिले के हांसी दौरे के दौरान पत्रकारों से रूबरू थे। डिप्टी सीएम ने हांसी शहर में 20 से ज्यादा कार्यक्रम किए। जगह-जगह पर शहरवासियों द्वारा डिप्टी सीएम का जोरदार स्वागत किया गया।

वहीं नारनौंद हलके के गांव बास में ग्रामीणों द्वारा दुष्यंत चौटाला का भव्य सम्मान समारोह किया गया। बास गांव में डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला बैलगाड़ी पर सवार होकर एक विशाल जुलूस के साथ सभा स्थल पर पहुंचे और हजारों की संख्या में पहुंचे लोगों को संबोधित किया। उन्होंने यहां 30 करोड़ रुपये की लागत से बनने

वाली सड़कों के उद्घाटन और शिलान्यास किए। साथ ही नारनौंद के लिए बाइपास की घोषणा करते हुए दुष्यंत चौटाला ने अधिकारियों को बाइपास के लिए जल्द से जल्द जमीन अधिग्रहण करने के आदेश दिए। इसके अलावा उन्होंने बास गांव में अधूरे पड़े पेयजल प्रोजेक्ट को जल्द से जल्द पूरा करने और गांव के जोहड़ के सौंदर्यीकरण के आदेश भी दिए। उन्होंने नारनौंद को अपने परिवार की कर्मभूमि बताया और कहा कि इस इलाके से उनका चार पीढ़ी का नाता है।

डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने हिसार एयरपोर्ट के संबंध में कहा कि सरकार समय पर एयरपोर्ट का निर्माण करवाने को लेक- र निरंतर प्रयासरत है और यह एयरपोर्ट वैश्विक मानकों में उच्च स्थान पर होगा। उन्होंने कहा कि जल्द ही हिसार एयरपोर्ट के लिए नए टर्मिनल का डिजाइन सामने आएगा। वहीं दुष्यंत चौटाला ने कहा कि हिसार में एलिवेटेड रोड की इस साल में नींव रख दी जाएगी और इसके लिए प्रशासनिक प्रक्रिया तेजी पर है।

हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा है कि प्रदेश में इस बार पिछले साल के मुकाबले गेहूं की आवक करीब 21 लाख मीट्रि- क टन अधिक हुई है। उन्होंने कहा कि उचित प्रबंध के साथ किसानों को कोई परेशानी आए बिना गे- हूं की खरीद की गई और सरकार किसानों को फायदा पहुंचाने के मकसद में कामयाब रही है। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि गेहूं भुगतान के लिए 12 हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि सीधा किसानों के खाते में डाल दी गई है और उठान का कार्य लगभग पूरा हो चुका है।

उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि प्रदेश की गठबंधन सरकार ने पिछले लगभग तीन वर्षों में लोक निर्माण विभाग के माध्यम से हांसी निवासियों को 288 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की सौगात दी है। इनमें लगभग 125 करोड़ रुपये के कार्य पूर्ण हो चुके हैं और बहुत से कार्य जल्द पूर्ण हो जाएंगे। दुष्यंत चौटाला ने हांसी के नए विश्राम गृह का लोकार्पण भी किया। इस विश्राम गृह पर लगभग साढ़े पांच करोड़ रुपए की लागत आई है। उन्होंने कहा कि अगले एक महीने में हांसी शहर को हाईवे से जोड़ने वाले सड़क मार्गों की फोरलेनिंग का कार्य पूरा कर लिया जाएगा और इन मार्गों पर पर्याप्त लाइटिंग की व्यवस्था भी की जाएगी। इस अवसर पर वरिष्ठ नेता एवं खादी बोर्ड के चेयरमैन राजेंद्र लितानी, विधायक विनोद भ्याना, जेजेपी महिला प्रदेश अध्यक्ष शीला भ्याण, हिसार जिला प्रभारी मास्टर ताराचंद, जिलाध्यक्ष अमित बूरा, रामकुमार भट, कोऑपरेटिव बैंक के चेयरमैन रमेश गोदारा हलका प्रधान राहुल मक्कड़ और करण सिंह देपल आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

हरियाणा प्रदेश के सभी जिलों में राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं अपराध नियंत्रण ब्यूरो की जल्दी ही गठित होगी

हरियाणा/चंडीगढ़,। हरियाणा प्रदेश के सभी जिलों में राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं अपराध नियंत्रण ब्यूरो की जल्दी ही गठित होगी कार्यकारिणी, रँ१ महेंद्र सिंह धनिया राज्य कार्यकारी अध्यक्ष राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं अपराध नियंत्रण ब्यूरो के माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ रणधीर कुमार जी द्वारा हरियाणा प्रदेश के जिला कैथल के जिला अध्यक्ष को हरियाणा प्रदेश का कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने पर प्रदेश के एनएचआरसीसीबी के पदाधिकारियों सदस्यों द्वारा उन्हें मुबारकबाद दी. इस अवसर पर हरियाणा प्रदेश के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं वर्तमान हरियाणा राज्य उपाध्यक्ष अमरनाथ कशच्यप, अंबाला मंडल अध्यक्ष कश्मीरी लाल, राज्य महासचिव ओमप्रकाश शर्मा, श्री महेंद्र धनिया जी कैथल को हरियाणा राज्य के कार्यकारी प्रदे- श अध्यक्ष बनाए जाने पर मंडल की मीटिंग का आयोजन किया गया. इस अवसर पर उपस्थित पदाधिकारियों की मीटिंग में श्री महेंद्र धनिया जी ने सभी का आभार आभार व्यक्त किया उन्होंने प्रदेश स्तर पर मानव अधिकार के हनन पर रोकथाम लगाने पीड़ितों को त्वरित न्याय मिलने के लिए सब से पूर्व प्रदेश में जिला स्तर पर जिला कार्यकारिणी के गठन करने पर जोर दिया ताकि प्रत्येक जिला गांव स्तर पर एनएचआरसीसीबी मानव अधिकारों के प्रति लोगों को जागरूक कर सके और उन्हें न्याय दिलवा सके. इस अवसर पर राज्य के उपाध्यक्ष अमरनाथ ओमप्रकाश शर्मा मंडल अध्यक्ष लाल जी शर्मा प्रधान मैन पति देवी उपप्रधान हिसार , राजेश डोगरा जिला अध्यक्ष , शिखा मित्तल, खेम दत्त शर्मा तथा रामकला कशच्यप अंबाला उपस्थित रहे।

ग्रीष्म कालीन वेद प्रचार महोत्सव सम्पन्न

हरियाणा/चंडीगढ़, ।

द गुरुकुल आर्यसमाज सैक्टर 20 पंचकूला का 12 मई से 14 मई 2023 त्रि दिवसीय वेद प्रचार महोत्सव ईश्वर कृपा से निर्विघ्न सम्पन्न हुआ। द गुरुकुल आर्यसमाज परिवार की ओर से स्थानीय वीटा पार्क सैक्टर 20 पंचकूला के विशाल प्रांगण में दो सत्रों में प्रातः कालीन और सांयकालीन यज्ञ का संचालन सुप्रसिद्ध युवा विद्वान सन्यासी स्वामी सम्पूर्णानंद सरस्वती महाराज के ब्रह्मत्व में वैदिक ऋचाओं का सुंदर पाठ आचार्य परमेश्वर शास्त्री - पंडित रामप्रसाद शास्त्री ने किया। सभी यज्ञ प्रेमी महानुभावों ने श्रद्धा से यज्ञ में बढ़ चढ़ कर भाग लिया। यज्ञ के पश्चात अंबाला से पधारे सुप्रसिद्ध भजनोपदेशिका पंडिता श्रीमती स्वेता आर्या के मधुर भजनों से श्रोतागण झूमे उठें। संगीत स्वर लहरी में श्री गोविन्द आर्य , आचार्य मनोज शास्त्री और विकास का सहयोग मिला।स्वामी सम्पूर्णानंद सरस्वती महाराज ने दार्शनिक वैदिक सिद्धान्तों पर सरल ढंग से व्याख्यान देते हुए समस्त श्रोताओं का मार्गदर्शन किया। स्वामी जी गूढ़तम वैदिक आख्यानों को बड़े सरल ढंग से रखने की कला में निपुण हैं। मंच का संचालन मंत्री योगेन्द्र क्षत्रा ने प्रभावी ढंग से किया। आज के मुख्य अतिथि वरिंदर गर्ग स्वतंत्र निदेशक, दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम लिमिटेड एवं वर्तमान मैं संयुक्त कोषाध्यक्ष,

बी जे पी, हरियाणा ने आ कर यज्ञ मैं हिस्सा लिया और आर्य समाज सेक्टर 20 की तरफ से उनको अनुरोध किये की आदरणीय मुख्यमंत्री से बात कर के सेक्टर 20 की आर्य समाज को स्थान दिलवाने मैं सहयोग करें उन्होंने अश्वसान दिया की आप रिप्रेजेन्टेशन बना कर दें आदरणीय मुख्यमंत्री जी से बात करके जगह दिलवाने का प्रयास करूँगा, आर्य समाज दुवारा उन्हें सम्मानित किया गया और धन्यवाद भी किया।

आर्यसमाज के संरक्षक श्री ओ. पी. गुगलानी जी और आर्यसमाज सैक्टर 9 पंचकूला के प्रधान श्री धर्मवीर बत्रा जी और वैदिक मनीषी श्री रमेश चंद्र बावा जी ने सभी आंगतुक विद्वान अतिथि महानुभावों का स्वागत अभिनन्दन किया। वैदिक मंच पर वैदिक यति मंडल के संन्यासियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। स्थानीय सुधी जनों की , समस्त समाजों के गणमान्य व्यक्तियों (श्रीमती कृष्णा चौधरी, श्रीमती ज्योति दर्शनाचार्य, वानप्रस्था श्रीमती शशि खुल्लर , श्रीमती कमला आर्या आदि विदुषी माताओं के साथ पतंजलि पंचकूला परिवार के गणमान्य लोग) के साथ सैकड़ों लोगों की उपस्थिति में विशाल वेद प्रचार महोत्सव की सम्पन्नता पर द गुरुकूल आर्यसमाज के सभी पदाधिकारियों और सदस्यों को हार्दिक बधाई शुभकामनाएं। कार्यक्रम में सत्संग उपरांत संरक्षिका माता श्रीमती कमलेश थरेजा परिवार की ओर से प्रसाद का प्रबंधन किया गया।सभी सेवाभावी बंधुओं और बहनों के पुरुषार्थ से , दानी सज्जनों के उदार हृदय के फलस्वरूप कार्यक्रम सफल रहा।पुनः प्रधाना श्रीमती रजनी थरेजा, मंत्री श्री योगेन्द्र क्षत्रा, कोषाध्यक्ष श्री विद्याव्रत पिपली आदि समस्त पदाधिकारियों और सदस्य कार्यकर्ताओं को बधाई शुभकामनाएं दी।

ओटू झील को किया जाएगा पर्यटन स्थल के रूप में विकसित : मुख्यमंत्री मनोहर लाल

हरियाणा/चंडीगढ़,।

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने सिरसा जिले के अपने जन संवाद कार्यक्रम के तीसरे दिन गांव ओटू में लोगों की मांग पर ओटू झील से मिट्टी उठान की दरों में 50 प्रतिशत कम करने की घोषणा की। अब किसान ओटू झील से 500 रुपये ट्राली के हिसाब से मिट्टी उठा सकते हैं। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने ओटू झील को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की भी घोषणा की। इसके लिए उन्होंने प्रशासन को रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए। रिपोर्ट के आधार पर झील को पर्यटन स्थल बनाने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने सोमवार को रानियां हल्का के गांव ओटू में जनसंवाद किया। इस दौरान उन्होंने जहाँ लोगों की समस्याओं को सुना और उनके समाधान के लिए अधिकारियों को

निर्देश दिये, वहीं लोगों से सरकार की योजनाओं से मिल रहे लाभ की जानकारी ली।

जन संवाद कार्यक्रम के दौरान एक किसान ने बताया कि ओटू से मिट्टी उठान की दरों में कमी की जाए ताकि किसानों को फायदा मिले। इस पर मुख्यमंत्री ने उपरोक्त घोषणा की। पहले यह दर 1000 हजार रुपये ट्रॉली थी। मुख्यमंत्री ने किसानों से कहा कि किसान इस मिट्टी का उपयोग खाद के रूप में करें, जिससे किसानों को आर्थिक लाभ होगा।

- **छोटे गांवों को विकास के लिये अतिरिक्त बजट देने की घोषणा**

मुख्यमंत्री ने छोटे गांव में विकास कार्यों के लिए अतिरिक्त बजट देने की घोषणा की। उन्होंने बीडीपीओ को निर्देश दिये कि ऐसे छोटे गांव हैं, जिनका बजट खत्म हो गया है या उनकी आमदनी कम है, उनका प्रस्ताव बनाकर भिजवाया जाए, ताकि उन्हें अतिरिक्त बजट दिया जा सके।

- **अब गांव की पांच किलोमीटर परिधि में होगा सीनियर सेकेंडरी स्कूल**

मुख्यमंत्री ने जनसंवाद में स्कूल की मांग की सुनवाई करते हुये घोषणा की कि हर 20 किलोमीटर पर कॉलेज बनाने की तर्ज पर सरकार अब गांव की 5 किलोमीटर की परिधि में सीनियर सकेंडरी स्कूल बने, इस पर काम करेगी। सरकार का उद्देश्य है कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित ना रहे।

- **जमाल में कबड्डी की अतिरिक्त नर्सरी व कागसर में जिम बनाने की घोषणा**

मुख्यमंत्री ने ओटू में जन संवाद कार्यक्रम में एक युवा की मांग पर गांव जमाल में एक अतिरिक्त कबड्डी नर्सरी बनाने की घोषणा की। इसी प्रकार गांव कागसर में जिम बनाये जाने की मंजूरी दी। उन्होंने कहा कि युवाओ को नशा से दूर रखने के लिए खेल बहुत जरूरी है और इसके लिये सरकार खेल सुविधाये देने के लिये कटिबद्ध है।

इस अवसर पर ऊर्जा मंत्री रणजीत सिंह, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री वी.उमाशंकर, ओएसडी जवाहर यादव, पूर्व विधायक रामचंदर कंबोज, पूर्व विधायक डॉ पवन सैनी सहित अन्य वरिष्ठजन उपस्थित थे।

जेजेपी शुरू करेगी प्रवासी हरियाणवियों के लिए हेल्पलाइन, पार्टी में बनेगा प्रवासी प्रकोष्ठ दिग्विजय चौटाला

ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न में पहला भारतीय राजनीतिक कार्यक्रम, जेजेपी प्रधान महासचिव ने किया देश में निवेश का आहवान

हरियाणा/चंडीगढ़,।

जननायक जनता पार्टी जल्द ही विदेशों में बसे हरियाणवी लोगों और विदेश जाने की इच्छा रखने वाले युवाओं के लिए विशेष हेल्पलाइन सेवा शुरू करेगी। ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न शहर में हुए एक विशेष कार्यक्रम में जेजेपी प्रधान महासचिव दिग्विजय सिंह चौटाला ने घोषणा करते हुए कहा कि जेजेपी संगठन में प्रवासी प्रक- ोष्ठ भी बनाया जाएगा और इस वर्ष नवंबर में दुनिया के पांच शहरों में पार्टी हरियाणा दिवस भी मनाएगी।

ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न में बसे हरियाणवी युवाओं के विशेष निमंत्रण पर वहां पहुंचे दिग्विजय चौटाला का सैकड़ों युवाओं ने जोरदार स्वागत किया। दिग्विजय चौटाला ने वहां बसे हर वर्ग के हरियाणवी और अन्य भारतीय मूल के लोगों से विचारों का आदान-प्रदान किया और अनुभव साझा कि-

ए। प्रवासी भारतीयों के खचाखच भरे हॉल में दिग्विजय ने कहा कि पंजाब, गुजरात, महाराष्ट्र की तरह अब हरियाणवी भी दुनिया भर में अपना नाम रोशन कर रहे हैं और ग्लोबल हरियाणवी कम्युनिटी लगातार संख्या में और समृद्धि में तरक्की कर रही है। उन्होंने आ''ान किया कि युवा खुद को स्थापित कर अपने गांव, शहर और समाज के विकास के लिए भारत और हरियाणा में भी काम करें ताकि सही मायने में हरियाणा की पहचान दुनिया में बुलंद बने।

प्रवासी भारतीयों के इस कार्यक्रम में दिग्विजय चौटाला ने बताया कि हरियाणा की मौजूदा सरकार में युवा उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला की पहल पर कई ऐतिहासिक कार्य हुए हैं और आज हरियाणा तेजी से तरक्की कर रहा है। खरखौदा में मारुति प्लांट, गुड़गांव में ग्लोबल सिटी, हिसार में एयरपोर्ट, जींद समेत कई शहरों में मेडिकल कॉलेज और हरियाणा में बन रहे बेहतर एक्सप्रेस वे का जिक्र कर दिग्विजय चौटाला ने कहा कि हरियाणा एक विकसित प्रदेश बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि युवाओं को निजी क्षेत्र में 75 फीसदी रोजगार गारंटी, महिलाओं को पंचायतों में 50 फीसदी हिस्सेदा- री, युवाओं को सरकारी नौकरी के लिए बार-बार फॉर्म भरने से आजादी और मुफ्त शिक्षा-कोचिंग जैसे सर्वांगीण विकास के काम युवा डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला की सोच की देन हैं। दिग्विजय ने कहा कि ये उनके लिए गर्व की बात है कि आज हरियाणा के लगभग 1000 गांवों में डिजिटल लाइब्रेरी हैं जिनमें पढ़कर युवा हरियाणा ही नहीं, केंद्र सरकार, रेलवे, बैंकिंग आदि की नौकरी पा रहे हैं।

दिग्विजय चौटाला ने कहा कि हरियाणा के विकास को और रफ्तार देने के लिए प्रवासी भारतीयों के सहयोग की जरूरत है और विदेशों में बसे सफल लोगों को शिक्षा, रोजगार, कृषि के क्षेत्र में हरियाणा में निवेश करना चाहिए। उन्होंने कहा कि युवाओं को विदेश में पढ़ाई और रोजगार के लिए आने में भी गा- इडेंस की जरूरत है जो प्रवासी लोग अच्छे से कर सकते हैं। दिग्विजय चौटाला ने कहा कि जेजेपी विदेशों में बसे लोगों को हरियाणा से जोड़ने की पहल कर रही है जो पहले कि- सी राजनीतिक दल ने नहीं की है। उन्होंने कहा कि अगले एक महीने में व्यवस्था बनाकर प्रवासी हरियाणवियों के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी कर दिया जाएगी। साथ ही पार्टी में प्रवासी प्रकोष्ठ बनाया जाएगा और इसके जरिये विदेश में बसे हरियाणवियों से निरंतर संवाद चलता रहेगा। उन्होंने मेलबर्न के उद्यमियों और अन्य व्यवसायियों को हरियाणा आने का न्यौता दिया और कहा कि हरियाणा सरकार और जेजेपी उनके साथ मिलकर काम करना चाहेगी।

हरियाणा महिला विकास निगम द्वारा व्यकितगत कारोबार स्थापित करने के लिए महिलाओं को बैंको के माध्यम से 3 लाख रूप्ये तक का उपलब्ध करवायी जाती है ऋण सुविधा

हरियाणा/चंडीगढ़,। - हरियाणा महिला विकास निगम द्वारा महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए व्यकितगत कारोबार स्थापित करने हेतु बैंको के माध्यम से 3 लाख रूप्ये तक के ऋ ण दिलवाने की योजना शुरू की गई है , जिसमें जिला पंचकूला के लिए 20 केसों का लक्षच्य रखा गया है।

इस संबंध में जानकारी देते हुए निगम के जिला प्रबंधक, श्री विजय सैनी ने बताया कि योजना के अंर्तगत जिन महलिाओं की वार्षिक आय 3 लाख रूप्ये तक तथा आयु 18 से 60 वर्ष है, वो इस योजना के लिए पात्र होंगी।

उन्होने बताया कि कुल ऋण का 10 प्रतिशत हिस्सा महिला को स्वयं वहन करना होगा तथा शेष राशि बैकों के माध्यम से दी जाएगी। बैंक ऋण के उपर लगे ब्याज की प्रतिपुर्ति हरियाणा महिला विकास निगम द्वारा सब्सिडी के रूप में अदा की जाएगी। जिसकी अधिकतम सीमा 50,000 रूप्ये व अवधि 3 वर्ष जो भी पहले होगी।

उन्होने बताया कि विभिन्न गतिविधियों के लिए जैसे कि बुटिक, सिलाई कढाई, आटो, ई-रिक्शा, मसाला, आचार ईकाइयां , खाद्य प्रसंसकरण, कैरी बैग का निर्माण , बेकरी , रेडीमेड गारमेंटस, कम्पयूटर जांच वक- र्स इत्यादि तथा अन्य किसी भी कार्य जिसको महिलाएं करने में सक्षम हो उन सभी कार्यों को ऋण देने से पूर्व ट्रेनिंग भी करवाई जाएगी ताकि महिला अपने कारोबार या लघु उद्योग स्थापित करने में कार्य कुशलता की कमी महसूस न हो। अधिक जानकारी के लिए निगम के जिला कार्यालय हरियाणा महिला विकास निगम, एससीओ 30, प्रीत कॉम्प्लैक्स सैक्टर 12ए रैली पंचकूला तथा दूरभाष नंबर 0172-2585271 पर संपर्क कर सकते हैं।